संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-18 रविवार,19 नवम्बर 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

26 घंटे के ब्रेक के बाद दोबारा शुरू हुआ रेस्क्यू

पांच मोर्चों से अभियान जारी

उत्तरकाशी,18 नवम्बर 2023(ए)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में चारधाम आलेवदर परियोजना की सिलक्यारा-पोलगांव सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के रेस्क्यू अभियान दिनों-दिन चुनौतीपूर्ण बन रहा है। 26 घंटे तक रेस्क्यू कार्य पर ब्रेक लगा रहा।

शनिवार को पीएमओ के सचिव मंगेश घिल्डियाल और पीएम के पूर्व सलाहकार भास्कर खुल्बे अपनी टीम के साथ उत्तरकाशी पहुंचे और सिलक्यारा सुरंग में रेस्क्यू की कमान अपने हाथ में ली। तब जाकर पांच अलग-अलग मोर्चे से खोज बचाव अभियान शुरू हुआ। जिसमें वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल बोरिंग शामिल की है। वर्टिकल बोरिंग का कार्य सिलक्यारा के निकट सुरंग के ठीक ऊपर की पहाड़ी से शुरू किया गया है जबकि हॉरिजॉन्टल बोरिंग का कार्य पोलगांव बडकोट की ओर इसी निर्माणाधीन सुरंग के हिस्से से की जा रही है। इसके अलावा सिलक्यारा सुरंग के पास दो स्थानों को भी हॉरिजॉन्टल बोरिंग के लिए चिह्नित कर दिया गया है। जबकि सिलक्यारा की ओर से सुरंग के अंदर ह्यूम पाइप बिछाए गए हैं। जिससे सुरंग के अदंर फंसे 40 श्रमिकों को ऑक्सीजन, रसद व दवा की आपूर्ति की जा सके।

सुरंग में फंसे आठ राज्यों के 41 मजदूर

सिलक्यारा पोलगांव सुरंग में 12 नवंबर से फंसे आठ राज्यों के 41 श्रमिक जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। इन श्रमिकों के रेस्क्यू अभियान को तब

बड़ा झटका लगा जब शुक्रवार की दोपहर को रेस्क्यू अभियान के दौरान सिलक्यारा सुरंग के अंदर उस क्षेत्र में सुरंग में दरारे आई जहां मशीनें और रेस्क्यू टीम मौजूद थी। सुरंग के अंदर चटकने की आवाज गूंजी तो आननफानन में रेस्क्यू अभियान को रोकना पड़ा।

बनाई गई ह्यूम पाइप की स्केप टनल

सुरंग के 150 मीटर से लेकर 203 मीटर तक सुरंग के ढह जाने की भी आशंका व्यक्त की गई। ऐसे में सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों से संवाद बनाए रखने और उन तक रसद, ऑक्सीजन पहुंचाने वाले पाइप तक पहुंचने के लिए ह्यूम पाइप की स्केप टनल बनाई गई है। रेस्क्यू अभियान में शनिवार को तब कुछ तेजी दिखी जब पीएमओ से टीम पहुंची। इस टीम ने भूविज्ञानियों के साथ सिलक्यारा सुरंग के आसपास की पहाड़ी का भी निरीक्षण। उन सभी स्थानों को देखा जहां से बोरिंग करके सुरंग के अदंर पहुंचा जा सकता है। शनिवार की शाम को वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल बोरिंग की तैयारियों को लेकर काम भी शुरू किया गया।

सड़क बनाने का काम शुरू

वर्टिकल बोरिंग के लिए सुरंग के निकट से ही एक किलोमीटर की सड़क बनाने का काम शुरू हुआ। जिसमें लोनिवि के इंजीनियर के साथ वन विभाग की टीम की तैनाती भी की गई है। रविवार की सुबह तक करीब एक किलोमीटर सड़क बनाने का लक्ष्य रखा गया है। जिससे बोरिंग करने की मशीन चिह्नित किए गए स्थान पर पहुंचाई जा सके। इसके साथ ही पोलगांव बडकोट की ओर से भी श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने की कामना को लेकर सुरंग के गेट के पास बौखनाग देवता का मंदिर भी स्थापित किया गया है।

हॉरिजॉन्टल बोरिंग शुरू की गई है। फंसे श्रमिकों तक पहुंचने के लिए पांच सौ मीटर लंबी बोरिंग करनी होगी। लेकिन इसमें एक सप्ताह के समय लगना तय है।

धीमी प्रगति से पीएमओ चिंतित

प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार भाष्कर खुल्बे ने कहा कि सुरंग में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में चार से पांच दिन का समय लगेगा। एक साथ सभी पांच विकल्पों पर काम शुरू कर दिया गया है। इस समय केवल लक्ष्य 41 श्रमिकों की जिंदगी बचाने का है। बताया जा रहा है कि श्रमिकों के खोज बचाव में अभी तक की धीमी प्रगति से पीएमओ चिंतित है।

बड़ी चूक? उत्तराखंड में सुरंग से इमरजेंसी निकासी का रास्ता प्लान में था, लेकिन बनाया नहीं गया

उत्तराखंड में 41 मजदूरों को एक सुरंग में फंसे हुए 160 घंटे से अधिक वक्त बीत चुका है. इस बीच एक नक्शा सामने आया है जो सुरंग का निर्माण करने वाली कंपनी की कथित गंभीर चूक की ओर इशारा कर रहा है. मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, तीन किलोमीटर से अधिक लंबी सभी सुरंगों में आपदा के हालात में लोगों को बचने के लिए भागने का रास्ता होना चाहिए. नक्शा से ज्ञात हुआ है कि 4.5 किलोमीटर लंबी सिल्कयारा सुरंग के प्लान में भी बचकर निकलने के लिए एक मार्ग बनाया जाना था, लेकिन यह रास्ता बनाया नहीं गया. बचाव टीमें अब रविवार की सुबह से सुरंग के अंदर फंसे हुए मजदूरों को बचाने के लिए वैकल्पिक योजनाएं भी लेकर आ रही हैं.

सुरंग में फंसे 41 निर्माण मजदूरों के परिवारों के सदस्य, जिनमें से अधिकांश प्रवासी हैं, को अब चिंता होने लगी है क्योंकि कल शाम को सुरंग में जोर से ÷टूटने की आवाज÷ सुनाई देने के बाद अमेरिकी ड्रिल मशीन ने भी काम करना बंद कर दिया. मजदूरों के परिवारों के कुछ सदस्यों और निर्माण में शामिल अन्य श्रमिकों ने कहा कि अगर भागने का रास्ता बनाया गया होता तो अब तक मजदूरों को बचाया जा सकता था.

इस तरह के बचाव मार्गों का उपयोग सुरंगों के निर्माण के बाद भी किया जाता है. सुरंग के किसी हिस्से के ढहने, भूस्खलन या किसी अन्य आपदा के हालात में फंसे वाहनों में सवार लोगों को इस तरह के रास्ते से निकाला जा सकता है. सुरंग का यह नक्शा तब सामने आया जब केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने गुरुवार को सुरंग ढहने वाले स्थान का दौरा किया. उन्होंने कहा था कि मजदूरों को दो-तीन दिनों में बचा लिया जाएगा. सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री ने कहा था कि बचाव कार्य जल्द पूरा किया जा सकता है, यहां तक कि शुक्रवार तक भी, लेकिन सरकार अप्रत्याशित कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए लंबी समयसीमा तय कर रही है.

हलाल सर्टिफिकेशन पर सरकार का चाबुक

कई कंपनियों के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ ,18 नवम्बर 2023(ए)। हलाल सर्टिफिकेशन के नाम पर धोखे से डेयरी, कपड़ा, चीनी, मसाले, साबुन और नमकीन जैसे उत्पादों को भी सर्टिफाइड करने वालों पर योगी सरकार ने नजर टेढ़ी कर ली है। मुख्यमंत्री योगी ने ऐसे मामलों का संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्रवाई का प्रारूप तैयार कर लिया है। प्रारूप के पहले चरण में कई कंपनियों और संस्थाओं के खिलाफ हजरतगंज में मुकदमा दर्ज कराया गया है। शैलेंद्र शर्मा की शिकायत पर हजरतगंज कोतवाली में यह केस दर्ज हुआ।

हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड चेन्नई,जमीयत उलेमा हिंद हलाल ट्रस्ट दिल्ली,हलाला काउंसिल आफ इंडिया मुंबई , जमीयत उलेमा महाराष्ट्र मुंबई और हलाल सर्टिफिकेशन देकर सामान बेचने वाली अज्ञात कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। आईपीसी की धारा 120 ड्ढ/ 153/ 298/ 384 /420 /467/ 468 /471/ 505 के तहत केस दर्ज किया गया है। इस्लाम में जो-जो करने की मनाही होती है उसे हराम करार दिया गया है और जिस चीज की इजाजत होती है उसे हलाल बताया गया है। ये सबकुछ खाने-पीने की चीजों के निर्माण और पशु वध पर लागू होता है। हलाल सर्टिफाइड से तात्पर्य है कि किसी भी उत्पाद को इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार तैयार किया गया हो। इसको लेकर कई कंपनियां उत्पादों पर मुहर लगाती है, जो हलाल सर्टिफाइड हो जाता है।

मारा गया रशीद कालिया उर्फ गौड़ा

2020 में किया था खौफनाक हत्याकांड

लखनऊ,18 नवम्बर 2023(ए)। जून 2020 में कानपुर के थाना चकेरी में हुए चर्चित पिंटू सेंगर हत्याकांड में वांछित 1 लाख रुपये का इनामी बदमाश राशिद कालिया उर्फ गौड़ा झांसी में आज सुबह यूपी एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया है। बताया जा रहा है कि रशीद कालिया के सीने में गोली लगी थी और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ में एसटीएफ के डिप्टी एसपी व इंस्पेक्टर को भी गोली लगी है।

पिंटू सेंगर की 20 जून 2020 को चकेरी थानाक्षेत्र में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने अब तक 15 आरोपितों को जेल भेजा है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ में सामने आया था कि वारदात में इस्तेमाल पल्सर बाइक को अहसान कुरैशी चला रहा था, जबकि पीछे राशिद कालिया बैठा था। जबकि केटीएम फैसल कुरैशी चला रहा था और सलमान बेग पीछे बैठा था। स्वचालित हथियारों से चारों ने पिंटू सेंगर पर एक साथ गोलियां बरसाई थी।

तभी से रशीद कालिया वांछित था। कानपुर पुलिस ने उस पर सवा लाख का इनाम भी घोषित किया था। इसी बीच यूपी एसटीएफ ने आज सुबह करीब 7.00 बजे थाना मऊरानीपुर, झांसी क्षेत्रान्तर्गत सितौरा रोड पर शातिर अपराधी राशिद कालिया उर्फ गौड़ा उर्फ बीरू पुत्र सलीम निवासी चिश्तीनगर, थाना चकेरी कानपुर को घेर लिया।

पुलिस के अनुसार, रशीद कालिया ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें रशीद कालिया के सीने में गोली लग गई।

केजरीवाल ने एलजी को भेजी चीफ सेक्रेटरी के घोटाले की रिपोर्ट

कहा-नरेश कुमार को तुरंत हटाया जाए

नई दिल्ली ,18 नवम्बर 2023(ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार मामले में कथित 'अस्पताल घोटाले' वाली विजलेंस मंत्री की रिपोर्ट एलजी वीके सक्सेना को भेज दी है। उन्होंने एलजी से चीफ सेक्रेटरी को तुरंत हटाने और सस्पेंड करने की मांग की है। विजिलेंस मंत्री आतिशी सिंह ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि नरेश कुमार ने बेटे की एक और कंपनी को दिल्ली सरकार के अस्पताल से बिना टेंडर सॉफ्टवेर बनाने का काम दिलवाया। इसके जरिए करोड़ों रुपए का मुनाफा दिलवाया गया।

रपोर्ट में इस बात की भी जिक्र है कि चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार अस्पताल के चेयरमैन हैं। नरेश कुमार के बेटे की कंपनी सिर्फ 7 महीने पहले बनी थी। उसे ड्ढ सॉफ्टवेयर बनाने का कोई अनुभव नहीं है। विजिलेंस मंत्री आतिशी सिंह ने कल ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी थी। मंत्री आतिशी ने सप्लीमेंट्री रिपोर्ट में रिकमेंड किया है कि मुख्य सचिव नरेश कुमार को तुरंत ही उनके पद से हटाया जाए और उनके ख़िलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो। आतिशी ने यह भी सिफारिश की कि करार ख़त्म किया जाए और यह मामला सीबीआई को रेफ़र किया जाए।

आदित्य ठाकरे पर एफआईआर दर्ज

मुंबई में गैर कानूनी तरीके से किया था पुल का उद्घाटन

मुंबई,18 नवम्बर 2023(ए)। आदित्य ठाकरे, सुनील शिंदे और सचिन अहीर के खिलाफ मुंबई के जोशी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस ने आईपीसी की धारा 143, 149, 326 और 447 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 16 नवंबर की रात में अवैध तरीके से आदित्य ठाकरे और अन्य नेताओं ने ब्रिज को खोल दिया था। बता दें कि आदित्य ठाकरे ने लोअर परेल के डीलाइड रोड ब्रिज का उद्घाटन किया था, हालांकि बीएमसी के अधिकारियो का कहना है कि ब्रिज का काम अभी बाकी है और उससे पहले ही ब्रिज को खोल दिया।

आदित्य ठाकरे, सुनील शिंदे, सचिन अहीर, पूर्व मेयर किशोरी पेडणेकर और पूर्व महापौर श्रीमती स्नेहल आंबेकर 15 से 20 अज्ञात कार्यकर्ताओं के साथ ब्रिज पर पहुंचे थे और गैर कानूनी तरीके से ब्रिज का उद्घाटन कर दिया था। ब्रिज बीएमसी के अनुमति के बिना खोला गया जो यातायात के लिए पूरी तरह तैयार नहीं था। ब्रिज के उद्घाटन के एक दिन बाद 17 नवंबर को बीएमसी ने जानकारी मिलने के बाद पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ शिकायत की। बीएमसी की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। रात 11 बजे से सुबह 4 बजे तक बीएमसी के अधिकारी पुलिस स्टेशन में ही मौजूद थे।

बद्रीनाथ धाम के कपाट हुए बंद

गूंजे जय बदरीविशाल के जयकारे

बद्रीनाथ ,18 नवम्बर 2023(ए)। इस साल की चारधाम यात्रा बद्रीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही संपन्न हो गई है। भू-वैकुंठधाम के रूप में प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। बद्री विशाल की जय के घोष और वैदिक ऋचाओं के गुंजन के साथ मुर्हतानुसार अपराह्न ठीक 3:33 बजे विधि-विधान से कपाट बंद किए गए। इस दौरान हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे। इसके साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा पूर्ण हो गई है।

बद्रीनाथा धाम के कपाट बंद करने से पहले पंच दिवसीय विशेष पूजा-अर्चना की गई। पिछले पांच दिनों के आखिरी पड़ाव में शुक्रवार को कढाई भोग और पूजा-अर्चना के बाद माता लक्ष्मी को गर्भगृह में विराजमान होने का न्योता दिया गया।

रावल ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी ने परिसर स्थित लक्ष्मी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। कपाट बंद होने के मौके पर बद्रीनाथ मंदिर को कई क्विंटल फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। अब शीतकाल में शंकराचार्य के गद्दी स्थल जोशीमठ में भगवान बद्री विशाल की पूजा-अर्चना होगी।

भारत-आस्ट्रेलिया मैच को लेकर सट्टा बाजार गर्म

दांव पर 70 हजार करोड़ रुपए

नई दिल्ली ,18 नवम्बर 2023(ए)। विश्व कप के फाइनल में भारत और आस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे। इस मैच को लेकर क्रिकेट फैंस उत्साहित हैं वहीं सट्टा बाजार भी गर्म है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि विश्व कप के फाइनल मैच में करीब 70 हजार करोड़ रुपये का सट्टा लगा है। सट्टा बाजार भी भारतीय टीम के साथ है, ऐसे में भारत जीता सट्टा लगाने वालों को जबरदस्त फायदा होगा। बताया जा रहा है कि अभी मैच होने में समय है। भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच पर 46-47 का भाव चल रहा है। और अगर

भारत विश्व कप इतिहास में तीसरी बार प्रतिष्ठित ट्रॉफी उठाना चाहता है, तो शमी को फिर से सीम के साथ अपना जादू दिखाना होगा।

सूत्र ने बताया कि अब तक वर्ल्ड कप में हुए हर मैच की तरह इस मैच में भी इंडिया फेवरिट चल रही है। 46-47 का भाव है। यानी इंडिया की जीत पर एक लाख रुपये लगाए, और इंडिया जीत गई तो 46 हजार रुपये मिलेंगे, अगर इंडिया हारी तो एक लाख रुपये देने होंगे।

दाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए खतरा है और वह डेविड वार्नर और ट्रैविस हेड को निशाना बनाना चाहेगा। अगर भारत पहले बल्लेबाजी करता है तो कप्तान रोहित शर्मा की बेहतरीन शुरुआत, फिर कोहली की सतर्क पारी और केएल राहुल और श्रेयस अय्यर की देर से खेली गई पारी की मदद से एक अच्छा स्कोर खड़ा करना होगा। अगर ऑस्ट्रेलिया पहले बल्लेबाजी करता है, तो शमी और जसप्रीत बुमराह को उन्हें बैकफुट पर रखना होगा, साथ ही रवींद्र जड़ेजा और कुलदीप का जाल ऑस्ट्रेलियाई टीम पर हावी रहेगा। अगर भारत जीतता है तो वह घरेलू धरती पर दो विश्व कप खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन जाएगी।

संपादकीय

यह गर्व की बात है ?

बेशक इस तथ्य से यह बात जाहिर होती है कि भारतीय आबादी में ऐसे लोगों की संख्या की बढ़ी है, जो अपने बच्चों को अमेरिका भेज कर पढ़ाने की स्थिति में हैं। लेकिन यह तथ्य देश की अपनी उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक प्रतिकूल टिप्पणी भी है।
भारतीय मीडिया में इस खबर को खूब अहमियत मिली है कि अमेरिका में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में भारतीयों की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई है। अब अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाला हर चौथा विदेशी छात्र भारतीय है। साल 2022-23 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ कर 2.60 लाख पार कर गई। यह आंकड़ा हर साल बढ़ता जा रहा है। बेशक इस तथ्य से यह बात जाहिर होती है कि भारतीय आबादी में ऐसे लोगों की संख्या की बढ़ी है, जो अपने बच्चों को अमेरिका भेज कर पढ़ाने की स्थिति में हैं। लेकिन यह तथ्य देश की अपनी उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक प्रतिकूल टिप्पणी भी है। मुमकिन है कि कुछ लोग आम सोच में अमेरिका की कायम एक असाधारण छवि के कारण वहां पढ़ने जाते हों। लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जिन्हें अपने बच्चों को विदेश में पढ़ाना ऊंचे करियर के लिए जरूरी महसूस होता है। फिर उनके मन में यह धारणा भी है कि विदेशों में करियर के जो अवसर उपलब्ध हैं, वे भारत में नहीं हैं।
देशवासियों के समृद्धि हिस्सों में ऐसी मौजूद धारणा किसी रूप में भारत के लिए गर्व की बात नहीं हो सकती। इस रुझान के कारण देश का जो धन विदेश जाता है, वह इस रुझान का एक अलग पहलू है। यहां ये बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि दुनिया में अनेक देश ऐसे हैं, जिनके लिए विदेशी छात्रों को अपने यहां आकर्षित करना उनकी अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्त्वपूर्ण पहलू है। ये देश ऐसा इसलिए कर पाते हैं, क्योंकि उन्होंने अपने यहां शिक्षा की बेहतर व्यवस्था और ज्ञान का उपयुक्त वातावरण तैयार कर रखा है। लाखों भारतीय अगर ऐसी व्यवस्था और वातावरण से आकर्षित होते हैं, तो बेशक यह इस मोर्चे पर भारत की विफलता का सूचक है। हर वर्ष बाहर जाने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या इस विफलता के सघन होने की निशानी है। यह अपनी शिक्षा व्यवस्था में कमजोर होते भरोसे का संकेत है। गौरतलब है कि 2022-23 में अमेरिका गए भारतीय छात्रों की संख्या में 35 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज हुई।

प्लास्टिक: 'टाइम बम' से संभल कर

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्लास्टिक प्रदूषण को 'टाइम बम' कहा है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने टिकाऊ भविष्य के लिए प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम से कम करने का आह्वान किया है। दरअसल, आज पूरी दुनिया में प्लास्टिक प्रदूषण का संकट गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार, 1950 में दुनिया भर में प्लास्टिक प्रदूषण का आकार 20 लाख टन था, जो 2017 में बढ़कर 35 करोड़ टन हो गया, जबकि अगले दो दशक में इसकी क्षमता बढ़कर दोगुनी होने का अनुमान जताया गया है। यह चिंताजनक है कि आज दुनिया सालाना चार अरब टन प्लास्टिक कचरा पैदा कर रही है। इसमें से एक तिहाई प्लास्टिक एकल उपयोग वाली होती है। आश्चर्य की बात है कि जिस प्लास्टिक का आविष्कार मानव जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए किया गया था, वही आज पृथ्वी के लिए आपदा तथा मनुष्यों, वन्य एवं जलीय जीवों, पक्षियों और वनस्पतियों के लिए काल बनता जा रहा है। चूंकि प्लास्टिक कभी नष्ट नहीं होता, इसलिए एक बार निर्माण हो जाने के बाद वह धरती पर किसी न किसी रूप में मौजूद ही रहता है। कम खर्चीला, टिकाऊ और लचीला होने के कारण प्लास्टिक दुनिया भर में धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। मानव जीवन से जुड़े अधिकांश साधनों में प्लास्टिक अपनी गहरी पहुंच बना चुका है। प्लास्टिक के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसे अपघटित होने में तकरीबन पांच-छह शताब्दी तक का समय लग जाता है। एक बार उत्पादित प्लास्टिक धरती पर किसी न किसी रूप में विद्यमान ही रहता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मानें, तो 1950 से 2017 के बीच उत्पादित नौ अरब टन प्लास्टिक में से लगभग सात अरब टन प्लास्टिक कचरे के रूप में परिणत हो गया। यूएस पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के अनुसार, अमेरिका में उत्पादित और उपयोग में लाया गया प्लास्टिक का हर टुकड़ा आज तक पर्यावरण में मौजूद है। प्लास्टिक नदियों, मिट्टी और महासागरों में प्रवेश कर हमारी खाद्य श्रृंखला और अंततः हमारे शरीर में प्रवेश कर हमें धीमी मौत मार रहा है। जिस प्लास्टिक को इस्तेमाल के पश्चात हम अपने आस-पास फेंक देते हैं, वही मृदा की उर्वरता और जल-धारण क्षमता को कम करता है। मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाने में सहायक सूक्ष्म जीवों के विकास को भी बाधित कर खाद्यान्न उत्पादन को प्रभावित करता है। वहीं प्लास्टिक उत्पादित खाद्य पदाथरे को विषाक्त भी बनाता है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की रिपोर्ट 'असेसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल प्लास्टिक एंड देयर सस्टेनेबिलिटी : अ कॉल फार एक्शन' के मुताबिक, कृषि भूमि में प्लास्टिक के सूक्ष्म कण समाए हुए हैं, जिसके कारण खाद्य सुरक्षा, जन स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जोखिम उत्पन्न हो रहा है। प्लास्टिक में उपस्थित जहरीले रसायन मिट्टी और जल में घुल जाते हैं। प्लास्टिक नदियों या समुद्र में प्रवेश करता है तो जल की गुणवत्ता को प्रभावित कर जलीय पारितंत्र के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न करता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, प्लास्टिक प्रदूषण से 800 से भी ज्यादा समुद्री व तटीय क्षेत्रों में रहने वाली प्रजातियां प्रभावित होती हैं क्योंकि उन्हें प्लास्टिक के सेवन, उसमें उलझ जाने और अन्य तरह के खतरों का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनिया भर में हर साल लगभग एक करोड़ दस लाख टन प्लास्टिक कूड़ा-कचरा समुद्रों में बहा दिया जाता है। इसे रोका न गया तो 2040 तक इसके तिगुने होने का अनुमान है। युनोमिया रिसर्च एंड कंसल्टिंग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, समुद्र तल के प्रत्येक एक वर्ग किमी. में औसतन 70 किग्रा. प्लास्टिक की मौजूदगी है।

-सुधीर कुमार-

छठ पूजा के बारें में जानें मुस्कान केशरी से

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

आइए मुस्कान केशरी से सुनतें और जानतें हैं छठ पूजा के बारें में:-

बिहार और उत्तरप्रदेश वालों के लिए छठ पूजा सबसें बड़ा त्योहार होता है। हिंदू धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व है। पंचाग के अनुसार छठ पूजा का यह पावन पर्व हर साल कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। यह व्रत संतान की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना के लिए रखा जाता है। यह सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है। 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए इस व्रत को रख जाता है। छठ पूजा का व्रत रखने वाले लोग चौबीस घंटो से अधिक समय तक निर्जल उपवास रखते हैं। छठ पर्व का मुख्य व्रत षष्ठी तिथि को रखा जाता है, लेकिन यह पर्व चतुर्थी से आरंभ होकर सप्तमी तिथि को प्रातः सूर्योदय के समय अर्घ्य देने के बाद समाप्त होता है। दिवाली के ठीक 6 दिन बाद बिहार का सबसे बड़ा पर्व छठ आता है। इस बार छठ पूजा की शुरुआत 17 नवंबर से हुई। यह पर्व 4 दिनों का होता हैं, जिसकी शुरुआत नहाय-खाय से होती है। नहाय-खाय का दूसरा शब्द है खाय इस दिन नहाने के बाद एक विशेष भोजन बनाया जाता है और खाया जाता है। इस दिन जो महिलाएं व्रत करती हैं,वें सेंधा नमक सें चनें की दाल और लौकी की सब्जी देसी घी में बनाती और सेवन भी करती हैं। प्रसाद के रूप में घर कें सभी

सदस्य भी सेवन करते हैं।
उसके अगलें दिन खरना होता है, जिसमें रोटी और गुड़ की खीर बनाई जाती हैं। शाम को खरना का प्रसाद हमेशा ऐसी जगह बनाया जाता है,जहां रोजाना का खाना न बनता हैं। खरना का प्रसाद बनानें के बाद सबसें पहलें केलें के पत्तें पर रोटी, गुड़ की खीर, कुछ फल द्वारा खरना का पूजा किया जाता है। खरना का प्रसाद सबसें पहले व्रती कों किसी शांत स्थान पर बैठकर ग्रहण करना होता है।अगर थोड़ा भी आवाज आ गया तों वों उसी समय प्रसाद छोड़ देती थी। इसलिए घर के सभी सदस्य शांत हों जातें थें। व्रती के खाने के बाद सभी कों प्रसाद दिया जाता है।
छठ पूजा का तीसरा दिन संध्या अर्घ्य का होता है। इस दिन छठ पर्व की मुख्य पूजा की जाती है। इस दिन सभी लोग घाट कों सजातें हैं और घाट पर व्रती आते हैं और डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस वर्ष छठ पूजा का संध्या अर्घ्य 19 नवंबर को दिया जाएगा। 19 नवंबर को सूर्यास्त शाम 05 बजकर 26 मिनट पर होगा। छठ व्रत में छठी माता के लिए एक डाला बनाया जाता है, जिसे डलिया भी कहा जाता है, इस डाला में काफी चीजें रखी जाती है।जो पूजा के दौरान छठी माता को चढ़ाई जाती हैं। छठ पूजा में डाला का भी काफी महत्व होता है।
चौथा दिन यानी सप्तमी तिथि छठ महापर्व का अंतिम दिन होता है। इस दिन उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और व्रत का पारण का होता है। इस साल 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन सूर्योदय 06 बजकर 47 मिनट पर होगा।
और इसी दिन बिहार के मुजफ्फरपुर जिला में खास तौर पर रावण का पुतला बनाया जाता है और हर घाट पर, चौराहों पर पुतला कों जलाया जाता है। सभी बड़े ही आनन्दित होकर घाट पर जाते हैं। तरह तरह की झूलें लगे होतें, व्यंजनों की दुकानें लगी होती हैं। छठी माईयाँ की कृपा सें सभी खुशी - खुशी छठ पूजा मनातें हैं। लेखिका मुस्कान केशरी जी कों भी बचपन सें छठ पूजा बहुत लोकप्रिय रहा है, वों सदैव ध्यानपूर्वक देखती और कुछ नया सिखती आई है। उन्होनें अपना अनुभव और जानकारी आप सभी कों साझा किया है । सभी कों हार्दिक शुभकामनाएँ

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

इंदिरा गांधी: सामाजिक सद्भाव,शौर्य एवं साहस की अद्भुत मिसाल

भारतीय राजनीति के इतिहास में इंदिरा गांधी को एक बेहद मजबूत इरादों वाली राजनेता के रूप में

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

जाना जाता है। अपनी दृढ़ता का परिचय उन्होंने केवल अपने राजनीतिक फैसलों को लेकर ही नहीं दिया बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी वे उतने ही दृढ़ इरादों वाली तेजतर्रार महिला थी। सामाजिक सद्भाव, शौर्य एवं साहस की अद्भुत मिसाल इंदिरा के भीतर गजब की राजनीतिक दूरदर्शिता थी और त्वरित निर्णय लेने की अभूतपूर्व क्षमता तथा लोकप्रियता ने ही उन्हें देश और दुनिया की सबसे ताकतवर नेताओं में शुमार कर दिया था। जब इंदिरा जी पहली बार देश की प्रधानमंत्री बनी थी तो अमेरिका सहित पूरी दुनिया दंग रह गई थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद जब वह पहली बार अमेरिका गई तो वहां की प्रेस ने उन्हें पूरा महत्व दिया था। अपनी विलक्षण क्षमताओं तथा अपने कार्यकाल में लिए कई अभूतपूर्व फैसलों के कारण ही इंदिरा न सिर्फ भारतीय राजनीति पर बल्कि विश्व राजनीति के क्षितिज पर भी विलक्षण प्रभाव छोड़ गई। उनका व्यक्तित्व सदैव अपने समय की सख्त छवि वाली नेता का रहा। उनके प्रधानमंत्री रहते सदैव यही कहा जाता था कि संसद में उन्हें घेरना हर भारतीय राजनेता के बस की बात नहीं।
इंदिरा जी की छवि बहुत जल्दी गुस्सा हो जाने वाली नेत्री की थी और इसी पर टिप्पणी करते हुए एक बार वाजपेयी जी ने कहा था कि जब पंडित नेहरू गुस्सा होते थे तो कम से कम अच्छा भाषण दिया करते थे और फिर हम उनकी चुटकी लेते थे लेकिन हम इंदिरा गांधी के साथ ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि वो खुद ही गुस्सा हो जाती हैं। मात्र 13 वर्ष की आयु में 1930 के 'सविनय अवज्ञा' आन्दोलन के समय कांग्रेस के स्वयंसेवकों की सहायता के लिए इंदिरा जी ने छोटे बच्चों की 'वानरसेना' भी स्थापित की थी। लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरूआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से उन्होंने साबित कर दिखाया कि वो 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि एक 'लौह महिला' हैं। इंदिरा जी ने देश की प्रधानमंत्री रहते तीन ऐसे महत्वपूर्ण कार्य किए थे, जिनके लिए उन्हें सदैव याद किया जाता रहेगा। पहला कार्य था 1969 में 14 निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण। दूसरा, 1971 में राजा-रजवाड़ों के प्रिवीपर्स की समाप्ति करते हुए राजा-महाराजाओं के सारे अधिकार और सुविधाएं वापस लेना और तीसरा कार्य था 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को पराजित

कर उसका विघटन करते हुए नए राष्ट्र बांग्लादेश का उदय। इंदिरा गांधी द्वारा लिए गए यही तीन ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय रहे, जिसके बाद उन्हें 'लौह महिला' (आयरन लेडी) कहा जाने लगा।
आपातकाल को इंदिरा गांधी के राजनीतिक जीवन का सबसे काला अध्याय माना जाता है। दरअसल 1975 में जब रायबरेली के चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगे और जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में पूरे विपक्ष ने एकजुट होकर इंदिरा की सत्ता के खिलाफ संघर्ष छेड़ दिया तो इससे नाराज इंदिरा ने 26 जून 1975 को देश में आपातकाल लगा दिया था। उस दौरान आपातकाल में प्रेस और मीडिया पर सेंसरशिप लागू करते हुए समस्त नागरिक अधिकार भी रद्द कर दिए गए तथा विपक्षी दलों के अनेक नेताओं को जेलों में डाल दिया गया। आपातकाल के उस घटनाक्रम के बाद इंदिरा को तानाशाह की संज्ञा दी जाने लगी। 1977 में आपातकाल हटाए जाने के बाद हुए आम चुनावों में कांग्रेस की बुरी तरह पराजय हुई लेकिन 1980 के चुनावों में इंदिरा के ही नेतृत्व में कांग्रेस जबरदस्त जीत हासिल करने में सफल हुई।
19 नवम्बर 1917 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में जन्मी इंदिरा ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के पश्चात् शांति निकेतन में रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा निर्मित विश्व-भारती विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और आगे की शिक्षा ग्रहण करने के लिए यूरोप चली गई थी। बताया जाता है कि वह ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एशिया की एक आदर्श महिला थी। 1941 में भारत वापस आने के बाद वह भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में शामिल हो गई और 1942 में 'भारत छोड़ो आन्दोलन' में शामिल होने के कारण उन्हें जेल की सजा भी हुई थी। उनकी शादी गुजराती पारसी फिरोज गांधी के साथ हुई। नेहरू हालांकि इंदिरा और फिरोज के संबंधों से खुश नहीं थे लेकिन उनकी नाराजगी के बावजूद इंदिरा ने 1942 में इलाहाबाद में फिरोज से शादी की थी। शादी के कुछ समय बाद जब इंदिरा राजनीति में सक्रिय होने लगी और पिता की सहायक की भूमिका में सामने आई तो फिरोज के साथ उनके संबंध बिगड़ने लगे। उसके बाद से इंदिरा गांधी के संबंध फिरोज के साथ कभी अच्छे नहीं रहे। 1960 में फिरोज गांधी की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। 41 वर्ष की आयु में इंदिरा कांग्रेस की अध्यक्ष चुन ली गई और उसके बाद वह राजनीति में पूर्ण रूप से सक्रिय हो गई। उसके कुछ वर्ष बाद वह भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी। वह भारत की तीसरी प्रधानमंत्री थी और वर्ष 1966 से 1977 तक लगातार तीन पारी के लिए देश की प्रधानमंत्री रही। चौथी पारी में वह 1980 से लेकर 31 अक्तूबर 1984 तक भारत की प्रधानमंत्री रही। वह भारत की अब तक की प्रथम और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री रही हैं।
30 अक्तूबर 1984 की दोपहर भुवनेश्वर में जब इंदिरा ने चुनावी भाषण देना शुरू किया तो उन्होंने शुरूआत तो हमेशा की तरह अपने सूचना सलाहकार एच वाई शारदा प्रसाद द्वारा तैयार भाषण से की लेकिन एकाएक उस लिखित भाषण से हटकर अलग बातें बोलनी शुरू कर दी। जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं आज यहां हूं, कल शायद यहां न रहूं। मुझे चिंता नहीं कि मैं रहूं या न रहूं, मेरा लंबा जीवन रहा है और मुझे इस बात का गर्व है कि मैंने अपना पूरा जीवन अपने लोगों की सेवा में बिताया है। मैं अपनी आखिरी सांस तक ऐसा करती रहूंगी और जब मैं मरूंगी तो मेरे खून का एक-एक कतरा भारत को मजबूत करने में लगेगा।''
उनके इस भाषण से वहां उपस्थित सभी लोग दंग रह गए। कोई नहीं समझ पाया कि आखिर इंदिरा जी ने अचानक अपने भाषण में इस तरह की बातों का उल्लेख क्यों किया? शायद उनकी अंतर आत्मा को उनकी मौत का अहसास पहले ही हो गया था। अगले दिन 31 अक्तूबर 1984 को सुबह 9 बजे के करीब जब वे दिल्ली में अकबर रोड़ पर चल रही थी, तभी पंजाब के ऑपरेशन ब्लूस्टार से बौखलाये उनके अंगरक्षकों ने उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया। इंदिरा ऐसी पहली महिला थी, जिन्हें उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए 1971 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था।

देश में दलबदल नहीं रूकने वाला!

पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। इन सभी राज्यों के उम्मीदवारों की सूची देखने पर बहुत दिलचस्प तस्वीर उभर कर आती है। चाहे देश की सबसे पुरानी पार्टी हो या दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हो या सबसे कम समय में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाली पार्टी हो या बहुजन की पार्टी हो सबने खुले दिल से दलबदल करने वालों को टिकट दी है। कई उम्मीदवार तो ऐसे हैं, जिनको अपनी पार्टी छोड़ने के 24 घंटे के अंदर दूसरी पार्टी से टिकट मिल गई। एक पार्टी से कई कई बार विधायक रहे बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ी और दूसरी पार्टी ने उनके हाथों हाथ लिया। कई नेताओं ने दूसरी पार्टी से टिकट की गारंटी लेने के बाद ही अपनी पार्टी छोड़ी। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ इस बार पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दिख रहा है। इसी साल मई में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा के दिग्गज नेताओं ने पार्टी छोड़ी और कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़े।
भारत में इस समय दो किस्म से दलबदल हो रहे हैं। पहला चुनाव के समय टिकट हासिल करने के लिए और दूसरा चुनाव के बाद किसी समय सरकार बनाने के लिए। अगर अपनी पार्टी टिकट नहीं दे रही है तो दलबदल करके दूसरी पार्टी से टिकट ले लेना है ताकि चुनाव लड़ सकें। इस तरह राजनीति करने का अंतिम मकसद चुनाव लड़ना हो गया है। किसी कीमत पर चुनाव लड़ना है। अगर चुनाव नहीं लड़े तो राजनीति में होने का कोई मतलब नहीं है। इसके बाद दूसरा सबसे बड़ा मकसद चुनाव जीतने के बाद सरकार में शामिल होना है। अगर सरकार में शामिल नहीं हुए तब विधायक बनने का कोई मतलब नहीं है। तभी चुनाव से पहले और चुनाव के बाद खूब दलबदल हो रहे हैं। पिछले तीन साल में महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में जो राजनीतिक खेल हुआ वह इस किस्म के दलबदल की मिसाल है।
राजनीति करने वालों की इस मानसिकता का राजनीतिक दल खूब दोहन कर रहे हैं। वे दलबदल करने पर उनको टिकट देने का वादा करते हैं और चुनाव जीतने के बाद मंत्री या मुख्यमंत्री बनाने का वादा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने दलबदल करने वाले इतने लोगों को मुख्यमंत्री बनाया है कि लोग गिनती भूल जाएं। शिव सेना से अलग होने वाले एकनाथ शिंदे, कांग्रेस छोड़ने वाले हिमंत बिस्वा सरमा, मानिक साहा, पेमा खांडू आदि की मिसाल है। कर्नाटक में भी भाजपा ने कांग्रेस के पूर्व नेता बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया था। सो, दो बातें स्पष्ट हैं। पहली बात तो यह कि राजनीति करने का मतलब है चुनाव लड़ना और चुनाव जीतने का मतलब है सरकार में शामिल होना।
इस बात को एनसीपी के नेता अजित पवार ने एक सैद्धांतिक रूप दिया है। उन्होंने जब अपने चाचा की बनाई पार्टी एनसीपी तोड़ी और भाजपा के साथ जाकर सरकार में शामिल हुए तो इसे जस्टिफाई करते हुए कहा कि विकास करने के लिए जरूरी है कि सरकार में रहा जाए। उन्होंने सत्ता की अपनी लालसा को राज्य के विकास से जोड़ दिया। सोचें, अजित पवार 1999 से लेकर 2014 तक लगातार 15 साल सत्ता में रहे। फिर नवंबर 2019 से जून 2022 तक लगभग ढाई साल सत्ता में रहे। इसके बाद भी महाराष्ट्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ऐसी है कि उनसे एक साल भी सत्ता से बाहर नहीं रहा गया। वे जिस पार्टी के नेता के तौर पर साढ़े 17 साल सत्ता में रहे थे और राज्य का विकास कर रहे थे उसे छोड़ कर विरोधी गठबंधन में चले गए और राज्य के उप मुख्यमंत्री बन गए। तभी वे चाहे कुछ भी कहें किसी को इस बात पर यकीन नहीं होगा कि वे महाराष्ट्र का विकास करने के लिए दलबदल करके सरकार में शामिल हुए हैं। असली कारण सबको पता है। उन्होंने दलबदल को एक वैचारिक जामा पहनाने की कोशिश की है। लेकिन असल में यह एक झीना सा परदा है, जिसके आर-पार सबको सब कुछ दिख रहा है।
सोचें, क्या इस बात पर यकीन किया जा सकता है कि कोई नेता अगर विपक्ष में चला जाए तो उस राज्य का विकास नहीं हो सकता है? या कोई नेता एक बार विधायक न बने तो राज्य और वहां की जनता का विकास अवरूद्ध हो जाएगा? लेकिन नेता इन तर्कों से दलबदल करके दूसरी पार्टी से चुनाव लड़ने और चुनाव जीत जाने के बाद दूसरी पार्टी के साथ जाकर सरकार बनाने के अनैतिक कृत्य को न्यायसंगत ठहराते हैं। अगर नेताओं को ऐसा करने में दिक्कत नहीं है तो पार्टियों को भी कोई परेशानी नहीं है। उनके लिए वैचारिक प्रतिबद्धता, पार्टी के प्रति निष्ठा, ईमानदारी आदि का कोई मतलब नहीं रह गया है। उनके लिए एकमात्र जरूरी पैमाना यह है कि कोई नेता चुनाव जीत सकता है या नहीं या कोई जीता हुआ नेता सरकार बनाने के काम आ सकता है या नहीं। पार्टियां चुनाव के समय टिकट देने के लिए मजबूत और साधन सम्पन्न नेताओं की तलाश करती हैं। फिर इसका कोई मतलब नहीं रह जाता है कि वह अपनी पार्टी का है या दूसरी पार्टी का या किसी पार्टी का नहीं है।
असल में अब राजनीति जनता की सेवा करने, समाज को बेहतर बनाने या प्रदेश और देश का विकास करने का माध्यम नहीं है। अब राजनीति वैचारिक प्रतिबद्धता की चीज भी नहीं है। राजनीति सत्ता हासिल करने और अपनी निजी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने का माध्यम बन गई है। देश के राजनीतिक हालात को देखते हुए यह भी साफ दिख रहा है कि कोई भी नेता लम्बे समय तक सत्ता से दूर नहीं रह सकता है और न पार्टियां लम्बे समय तक सत्ता से दूर रहना अफोर्ड कर सकती हैं। जिन संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर राजनीति की शुचिता बरकरार रखने की जिम्मेदारी है वे भी दुर्भाग्य से सत्ता के खेल का हिस्सा बन गई हैं। विधानसभाओं के स्पीकर दलबदल करने वाले नेताओं की अयोग्यता का मामला महीनों या बरसों लटकाए रखते हैं। एक चुनाव से बाद दूसरा चुनाव आ जाता है और तब तक फैसला नहीं होता है। सर्वोच्च अदालत को इस बारे में समय सीमा तय करनी होती है। महाराष्ट्र में शिव सेना के विधायकों की अयोग्यता का मामला एक साल से ज्यादा समय से लम्बित है। वहां तो शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट सक्रिय है और बार बार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा रहा है तो अदालत भी इस पर कोई निर्देश आदि दे रही है। लेकिन झारखंड में तो तीन विधायकों की अयोग्यता का मामला करीब चार साल से लटका हुआ है और स्पीकर ने फैसला नहीं किया है। पश्चिम बंगाल में भी यही हाल है। सोचें, जब पार्टियां दलबदल करने वाले नेताओं का स्वागत करने के लिए बाहें फैला कर खड़ी हैं, उनकी पसंद की जगह से टिकट देने और सरकार में मनपसंद जगह देने को तैयार हैं और संवैधानिक संस्थाएं उनकी अयोग्यता का फैसला बरसों तक लम्बित रखने को तैयार हैं तो फिर क्यों कोई नेता दलबदल करने से हिचकेगा? जब राजनीति ऐन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने का माध्यम है तो अनैतिक कुछ भी नहीं रह गया है और इसलिए दलबदल रूकने की कोई संभावना नहीं है।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

पेसा एक्ट लागू करना स्वागत योग्य कदम

आगामी वर्ष में लोकसभा चुनाव की आहट के बीच पेसा एक्ट को लागू करने में राज्यों द्वारा रुचि लिया जाना एक स्वागत योग्य कदम है. वर्षों से अनुसूचित क्षेत्र में निवास कर रहे जनजातीय समुदाय एवं अन्य लोग अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित हैं तथ पेसा एक्ट के प्रावधानों को इसकी मूल भावना के अनुरूप लागू किये जाने का बाट जोह रहे हैं. ऐसे में चुनावी वर्ष में राज्य सरकारों की पहल से उम्मीद की नयी किरण व ऊर्जा का संचार जनमानस में हुआ है. पेसा एक्ट के लागू होने की चर्चा ने वंचित समुदाय को उद्वेलित कर दिया है.
ऐसे में राज्य सरकारों को इसकी अंतरात्मा को बिना छेड़े वास्तविक रूप में लागू किये जाने पर बल देने की जरूरत है. झारखंड के पेसा कानून में कुल 17 अध्याय और 36 धाराएं हैं. सरकार द्वारा लागू किये गये पेसा रूल में ग्रामसभाओं को शक्तिशाली और अधिकार संपन्न बनाने की बात कही गयी है. इसके तहत ग्रामसभा की बैठकों की अध्यक्षता मानकी, मुंडा आदि पारंपरिक प्रधान ही करेंगे. पंचायत सचिव ग्रामसभा सचिव के रूप में काम करेंगे. बैठकों में कोरम पूरा करने के लिए 1/3 सदस्यों की मौजूदगी जरूरी होगी. कोरम पूरा करने के लिए निर्धारित इस संख्या में 1/3 महिलाओं की उपस्थिति भी जरूरी है. जारी पेसा कानून में साफ तौर पर कहा गया है कि ग्रामसभा की सहमति के बिना जमीन का अधिग्रहण नहीं किया जा सकेगा. आदिवासियों की जमीन की खरीद-बिक्री मामले में भी ग्रामसभा की सहमति की बाध्यता होगी. ग्रामसभा गांव में विधि-व्यवस्था बहाल करने के उद्देश्य से आइपीसी की कुल 36 धाराओं के तहत अपराध करने वालों पर न्यूनतम 10 रुपये से अधिकतम 1000 रुपये तक का दंड लगा सकेंगी. दंड की अपील पारंपरिक उच्च स्तर के बाद सीधे हाइकोर्ट में की जायेगी.
पेसा रूल में पुलिस की भूमिका निर्धारित करते हुए किसी की गिरफ्तारी के 48 घंटे के अंदर गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी ग्रामसभा को देने की बाध्यता तय की गयी है. ग्रामसभा में कोष स्थापित करने का प्रावधान किया गया है. इसे अन्न कोष, श्रम कोष, वस्तु कोष, नकद कोष के नाम से जाना जायेगा. नकद कोष में दान, प्रोत्साहन राशि, दंड, शुल्क, वन उपज से मिलने वाले रॉयल्टी, तालाब, बाजार आदि के लीज से मिलने वाली राशि रखी जायेगी. ग्रामसभा में बक्से में बंद कर अधिकतम 10 हजार रुपये ही रखे जायेंगे. इससे अधिक जमा हुई राशि बैंक खाते में रखी जायेगी.
ग्रामसभाएं ही संविधान के अनुच्छेद-275(1) के तहत मिलनेवाले अनुदान और जिला खनिज विकास निधि से की जाने वाली योजनाओं का फैसला करेंगी. योजना के लाभुकों का चयन ग्रामसभा के माध्यम से किया जाएगा. विभाग द्वारा चलायी जाने वाली योजनाओं के लिये ग्राम सभा के द्वारा विचार-विमर्श करना होगा.
पेसा रूल के प्रावधानों के सामाजिक, धार्मिक और प्रथा के प्रतिकूल होने की स्थिति में ग्रामसभा को इस पर आपत्ति दर्ज करने का अधिकार होगा. इस तरह के मामलों में ग्रामसभा प्रस्ताव पारित कर उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को भेजेगा. सरकार 30 दिनों के अंदर एक उच्चस्तरीय समिति बनायेगी.

-गुलाबी जगत-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

शब्द

शब्द किसी के लिए शब्द है ।
अक्षर है । गीत -संगीत है ।
सुर -ताल है ।पूजा -प्रार्थना है ।
भूख -प्यास है ।गम -खुशी है ।
सफर -मंजिल है । ख्वाब -तराना है ।
जीवन -बंधन है । सेवा -सौहार्द है ।
धोखा -विश्वास है । आचार -विचार है ।
जज्बात -फरियाद है ।
लेख -लेखनी है ।
कवि-कविता है । रस -छन्द है ।
प्रभु -भक्ति है ।
लेकिन मेरे लिए शब्द,
मेरा स्पंदित हृदय है ।

गरिमा राकेश गौत्तम गर्विता
कोटा, राजस्थान

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समझना...

अगर ट्रेन छूट जाए क्या?
अगर बस छूट जाए क्या?
अपने जीवन में
जिस तरह से आप जाते हैं
यदि आप जानते हैं...
अपने पैरों आपके पास पर्याप्त है...
क्या पर?
आप अपने पैरों से केवल
सिवाय चलने के दूसरा पैरों से
जाने मत दो...
इतना ही जिन्दगी में समझ में
सच तो यह है...
उतना ही समझ के साथ छुट्टी...

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई
तमिलनाडु

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

आधुनिकता

वाह रे आधुनिकता तेरा है यह जलवा
बढ़ते संसाधनों में गिरती मानवता
स्टेटस की दौड़ में लूटती सभ्यता
अलमारियां लदी पड़ी दिखती नग्नता
फैशन के दौर में कुछ भी है चलता
सीधा हो या उल्टा फर्क नहीं है पड़ता
खाने के है ऑप्शन नही कुछ पचता
बीमारियों के जाल में फसा हर बंदा
धरती पे दिखता होता क्या नरक है?
पैसे के शोर मे दबती इंसानियता
आदमी का आदमी से नही कोई मेल है
मोबाइल के डब्बे में सिमटा हर रिश्ता
खून की होली खेले धर्म के ठेकेदार
राजनीति के नाम पर फैली आराजकता
वाह रे आधुनिकता तेरा है यह जलवा
बढ़ते संसाधनों में गिरती मानवता

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

तू कोशिश तो कर

लक्ष्य लेकर आगे बढ़,
दिखा कुछ बनकर,
तू कोशिश तो कर।
सपना तेरा जरूर सच होगा,
खुद पर विश्वास कर,
तू कोशिश तो कर।
जीवन में चुनौतियां आएंगी,
उन चुनौतियों का सामना कर,
तू कोशिश तो कर ।
मंजिल तेरी कदम चूमेगी,
अपने अंदर जुनून पैदा कर,
तू कोशिश तो कर।
असंभव कार्य भी संभव हो जाएगा
,कोई कार्य नहीं है दुष्कर,
तू कोशिश तो कर।
मुश्किल हलातो से मत घबरा,
अपने अंदर हौसला पैदा कर,
तू कोशिश तो कर।

श्याम सुंदर साहू
,राजिम,
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू,पहला अर्घ्य आज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

लोकआस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन शनिवार को छठव्रतियों ने तालाबों, जलाशयों नदियों में स्नान करने के बाद प्रसाद बनाया। शाम में शांत वातावरण में खरना का धार्मिक अनुष्ठान पूरा कर प्रसाद ग्रहण किया। व्रतियों के प्रसाद खाने के बाद परिवार के अलावा पड़ोसी, रिश्तेदारों का प्रसाद खाने का दौर शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। इसके साथ ही तकरीबन 36 घंटे का व्रतियों का निर्जला उपवास शुरू हो गया। व्रती अब उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद प्रसाद ग्रहण कर उपवास तोड़ेंगे। वहीं रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके लिए व्रती तालाब, नदी, डेम में स्नान कर शाम में अस्ताचलगामी भगवान भुवन भास्कर को पहला अर्घ्य देंगे। फिर सोमवार की सुबह घाटों में उतरकर भगवान की आराधना करेंगे। साथ ही

उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करेंगे, इसके साथ ही चार दिवसीय महा छठ की पूर्णाहुति होगी। खीर प्रसाद बनाने के लिए नदियों और कुएं के पानी इस्तेमाल किया। नये चूल्हे पर आम की लकड़ी को जलावन में इस्तेमाल करते हुए पीतल के बर्तन में खरना के लिए प्रसाद बनाया गया। प्रसाद के लिए खीर व रोटी पकाई गई। शाम ढलते ही छठ व्रतियों ने छठ गीतों के बीच प्रसाद ग्रहण किया। इधर शनिवार को बाजार में काफी रौनक रही। लोग पूजन सामग्री, फल अन्य सामान की खरीदारी करने में व्यस्त रहे। शहर के गुदरी बाजार में जगह-जगह गन्ना, सूप-दउरा, पूजन सामग्री आदि के स्टॉल लगाए गए हैं। छठ को लेकर हर ओर भक्ति और उत्साह का माहौल है।

व्रतियों ने घाट बांधकर की पूजा

चार दिवसीय छठ के दूसरे दिन शनिवार को व्रतियों ने पूरे दिन उपवास रखा। शाम को छठ घाट पर जाकर नदी-तालाबों व जलाशयों में स्नान करने के बाद नदी के ही रेत व मिट्टी को उठाकर घाट बांधने के बाद पूजा अर्चना की।

वोटिंग के बाद इवीएम स्ट्रांग रूम सील, निगरानी के लिए सुरक्षा बल हुए तैनात

3 दिसम्बर को होगी मतगणना

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव 17 नवम्बर को मतदान के पश्चात मतदान दलों के वापस लौटने पर मतदान सामग्री को शासकीय पॉलीटेक्नीक कॉलेज, अम्बिकापुर में जमा किया गया। पॉलीटेक्नीक कॉलेज स्थित स्ट्रांग रूम में तीनों विधानसभा क्षेत्रों के ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों को जमा करने के बाद सील किए जाने की कार्यवाही की गई। निर्वाचन आयोग के अनुसार जिले में कुल 80.22 प्रतिशत मतदान हुए। जिसमें सबसे ज्यादा वोट लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र में 85.3 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं जिला मुख्यालय अंबिकापुर में सबसे कम 75.64 प्रतिशत वोटिंग हुई। जबकि सीतापुर में 81.41 प्रतिशत वोटरों ने मतदान किया।

शनिवार को पॉलीटेक्निक कॉलेज में सामान्य प्रेक्षकों की उपस्थिति में निर्वाचन की संवीक्षा की गई जिसमें राजनीतिक दलों को मतदान की संपूर्ण जानकारी दी गई। संवीक्षा बैठक में मौजूद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को विधानसभा वार सभी रिटर्निंग अधिकारियों को मतदान संख्या एवं प्रतिशत, मतदान किए मतदाता, महिला, पुरुष व थर्ड जेंडर मतदाता वार जानकारी सहित मॉकपोल और वास्तविक मतदान में बदले गए मशीनों की विस्तृत जानकारी दी गई। सामान्य प्रेक्षकों ने इस दौरान प्रशासन द्वारा तैयार जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के जरिए मतदान की मॉनिटरिंग सिस्टम को सराहा। राजनीतिक दलों ने भी इस दौरान अपने सुझाव साझा किए। उन्होंने मतदान दिवस पर समस्त व्यवस्था सुनिश्चित करने प्रशासन की तत्परता की सराहना

की। बैठक में विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर के सामान्य प्रेक्षक रूपवंत सिंह, विधानसभा सीतापुर के सामान्य प्रेक्षक पी कोटेश्वर राव एवं विधानसभा लुण्ड्रा के सामान्य प्रेक्षक आईएएस बीसी सतीशा, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार, उपजिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक, सहित समस्त रिटर्निग अधिकारी एवं निर्वाचन संबंधी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिलाओं ने किया ज्यादा वोटिंग

निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में कुल 80.22 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें लुण्ड्रा विधानसभा में 85.03 प्रतिशत, अम्बिकापुर विधानसभा में 75.64 प्रतिशत तथा सीतापुर विधानसभा में 81.41 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले में कुल 5,22,492 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लिया, जिसमें कुल 2,59,980 पुरुष मतदाता 2,62,500 महिला मतदाता तथा 12 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है। विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा में कुल 1,64,686 मतदाताओं ने वोट डाले जिसमें कुल 82,332 पुरुष मतदाता 82,352 महिला मतदाता तथा 02 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है, विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर में कुल 1,93,984 मतदाताओं ने वोट डाले जिसमें कुल 96,481 पुरुष मतदाता 97,494 महिला मतदाता तथा 09 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है तथा विधानसभा क्षेत्र सीतापुर में कुल 1,63,822 मतदाताओं ने वोट डाले जिसमें कुल 81,167 पुरुष मतदाता 82,654 महिला मतदाता तथा 01 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है।

इन मतदान केन्द्रों में सबसे अधिक हुआ मतदान

विधानसभा लुण्ड्रा में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों में रुखपुर में 95.74 प्रतिशत, चन्देश्वरपुर में 94.33 प्रतिशत, बरौली में 94.23 प्रतिशत, करंधा में 93.94, तुंगा में 93.74 है। विधानसभा अम्बिकापुर में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों में पंगोटी में 97.42 प्रतिशत, जगदीशपुर में 95.74 प्रतिशत, सुखारी भंडार में 94.87 प्रतिशत, सराइटिकरा में 94.81 प्रतिशत, पहाडकोरजा में 94.51 प्रतिशत है। विधानसभा सीतापुर में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों में मुर्ताडांड में 93.19 प्रतिशत, गहिला 1 में 91.82 प्रतिशत, झरगंवा में 91.70 प्रतिशत, ललाया में 90.42 प्रतिशत तथा परसापाली में 90.12 प्रतिशत मतदान हुआ।

हत्या के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार,हुआ जेल दाखिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम अरगोती में 14 नवंबर की दोपहर पति-पत्नी गांव के ही नहर में नहाने गए थे। इस दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया था। गुस्से में आकर पति ने पत्नी के सिर पर पत्थर से वार कर दिया था। इससे वह बहोश हो गई थी। उसे इलाज के लिए बतौली अस्पताल ले जाया गया। जाहां उसकी मौत हो गई। वहीं घटना को अंजाम देने के बाद पति मौके से फरार हो गया था। 17 नवंबर को आरोपी गांव में वोट देने पहुंचा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार सोमार साय बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम कदनई गुडगुड झरिया का रहने वाला था। वह 14 नवंबर को सोमार साय अपनी पत्नी कांति के साथ गांव के नहर में नहाने व कपड़ा धोने गया था। वहीं पर किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। गुस्से में आकर सोमार साय ने पत्थर से पत्नी के सिर पर वार कर दिया। इसेस वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसे इलाज के लिए बतौली अस्पताल लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया था। वहीं मृतका की मां बनवासो बाई निवासी अरगोती चौकी कुन्नी ने बतौली थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वहीं पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। 17 नवंबर को पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की आरोपी गांव में वोट डालने आने वाला है। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक शुभम तिवारी, थाना प्रभारी बतौली सीपी तिवारी, प्रधान आरक्षक फलेन्द्र पैकरा, देवेन्द्र सिंह, सुमन कुजूर, छत्रपाल सिंह, महिला आरक्षक- मेरी क्लोरेट तिर्की आरक्षक- अशोक भगत, भगलू राम, विजय सोनवानी, बिजेन्द्र सिंह, लालजीत निकुंज, राजेश, पंकज शामिल रहे।

लखनपुर छठ घाटों की हुई साफ-सफाई, आज से छठ महापर्व की शुरुआत...

- संवाददाता -
लखनपुर,18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

सूर्य उपासना के महापर्व छठ पर्व की आज से शुरुआत हो गई है जिसके मद्देनज़र नगर पंचायत लखनपुर द्वारा सारी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। इसी तारतम्य में लखनपुर के अलावा आसपास के छठ घाटों की साफ़ सफ़ाई ज़ोरों शोरों से जारी है ताकि जिसके छठ व्रतियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू मुख्य नगर पालिका अधिकारी जितेंद्र बहादुर पटेल के निर्देशानुसार भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू पार्षद अमित बारी की उपस्थिति में नगर पंचायत के सफ़ाई विभाग द्वारा आज छठ घाटों की साफ़ सफ़ाई की गई ।

नगर पंचायत अंतर्गत सतीघाट ,बाज़ारपारा,देव तालाब सहित कई जगहों पर जलस्रोतों सहित आसपास की साफ़ सफ़ाई की गई। साफ़ सफ़ाई के दौरान वार्ड क्रमांक 04 भाजपा पार्षद अमित बारी की उपस्थिति में छठघाट की साफ़ सफ़ाई करायी गई।ज्ञात हो कि छठ महापर्व की शुरुआत हो चुकी है जिसके बाद लगातार अलग अलग छठ घाटों की साफ़ सफ़ाई की जा रही है। नगर पंचायत के द्वारा साफ़ सफ़ाई करने नगर पंचायत सफ़ाई प्रभारी विनेश ख़लखो सहित पूरी सफ़ाई कर्मियो का दल मौजूद रहा। कल छठ माहपर्व की शुरुआत नहाय खाय के साथ प्रारंभ होगा जिसके बाद शाम को डूबते सूरज को अर्घ्य दिया जाएगा तथा सुबह उगते सूरज को अर्घ्य देने के साथ ही यह महापर्व संपन्न होगा ।

प्रेमी जोड़े की मिली लाश,जमकर हुआ हंगामा...आज उतारी जाएगी लाश

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 नवम्बर
2023(घटती-घटना)।

दो दिन पूर्व घर से बाजार जाने की बात कहकर निकला था 17 वर्षीय किशोर, मृतिका के परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस की मौजूदगी में जमकर मचाया हंगाम

बिश्रामपुर क्षेत्र में एक नाबालिग प्रेमी जोड़े की लाश नर्सरी में एक ही फंदे पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई है। किशोर बिश्रामपुर क्षेत्र जबकि किशोरी लुंड्रा क्षेत्र की निवासी है। शनिवार की दोपहर लोगों की सूचना पर बिश्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची। उनके द्वारा शव उतारने की प्रक्रिया की ही जा रही थी कि मृतिका के परिजन द्वारा हत्या की आशंका जताते हुए हंगामा किया गया। इस वजह से अब रविवार को प्रेमी युगल के शव को फॉरेंसिक एक्सपर्ट की उपस्थिति में उतारे जाने की बात कही जा रही है।

सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत करमपुर के नर्सरी में शनिवार की दोपहर प्रेमी जोड़े का शव एक चुनरी में फांसी पर लटका पाया गया। प्रेमी की पहचान ग्राम पंचायत करमपुर बडख़ापारा निवासी कालरी कर्मी देवसाय टोप्पो के पुत्र 17 वर्षीय मुनेश्वर टोप्पो उर्फ पिलो के रूप में हुई। जबकि प्रेमिका की पहचान लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उदारी निवासी छोटी के रूप में की गई है। मृतक मुनेश्वर टोप्पो 16 नवंबर को ही घर से मार्केट जाने की बात कहकर निकला था, जो वापस घर नहीं लौटा।

ग्रामीण जब शनिवार को नर्सरी की ओर गए तब दोनों की एक ही चुनरी में फांसी पर लटकी लाश देखकर इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही टीआई अलरिक लकड़ा, सहायक उपनिरीक्षक सोहन सिंह दल-बल के साथ घटना स्थल पहुंचे।

विधानसभा आम निर्वाचन 2023

सरगुजा जिले में हुआ 80.22 प्रतिशत मतदान,प्रशासन के प्रयासों से शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ मतदान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

2 लाख 62 हजार 500 महिलाओं ने दिया वोट, वहीं पुरुष वोटर की संख्या रही 2 लाख 59 हजार 980 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के नागरिकों और निर्वाचन में संलग्न अधिकारियों कर्मचारियों के प्रति जताया आभार

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुंदन कुमार के कुशल मार्गदर्शन में विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के अंतर्गत सरगुजा जिले में मतदान शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र 09 लुण्ड्रा, 10 अम्बिकापुर एवं 11 सीतापुर में सफलता पूर्वक मतदान कार्य संपादित एवं संपन्न कराने में संलग्न समस्त अधिकारियों-कर्मचारियों, मतदान सामग्री वितरण एवं वापसी कार्य मे लगे दलों, मीडिया के प्रतिनिधियों, समस्त सुरक्षाकर्मियों, स्काउट-गाइड एवं एनएसएस के वोलेंटियर्स सहित जिले के समस्त मतदाताओं को बधाई एवं धन्यवाद देते हुये आभार व्यक्त किया।

निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में कुल 80.22 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें लुण्ड्रा विधानसभा में 85.03 प्रतिशत, अम्बिकापुर विधानसभा में 75.64 प्रतिशत तथा सीतापुर विधानसभा में 81.41 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले में कुल 5,22,492 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लिया, जिसमें कुल 2,59,980 पुरुष मतदाता 2,62,500 महिला मतदाता तथा 12 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा में कुल 1,64,686 मतदाताओं ने वोट डाले जिसमें कुल 82,332 पुरुष मतदाता 82,352 महिला मतदाता तथा 02 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर में कुल 1,93,984 मतदाताओं ने वोट डाले जिसमें कुल 96,481 पुरुष मतदाता 97,494 महिला मतदाता तथा 09 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है तथा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर में कुल 1,63,822 मतदाताओं ने वोट डाले जिसमें कुल 81,167 पुरुष मतदाता 82,654 महिला मतदाता तथा 01 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल है।

विधानसभावार इन मतदान केन्द्रों में सबसे अधिक प्रतिशत हुआ मतदान-

विधानसभा लुण्ड्रा में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों में रुखपुर में 95.74 प्रतिशत, चन्देश्वरपुर में 94.33 प्रतिशत, बरौली में 94.23 प्रतिशत, करंधा में 93.94, तुंगा में 93.74 है। विधानसभा अम्बिकापुर में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों में पंगोटी में 97.42 प्रतिशत, जगदीशपुर में 95.74 प्रतिशत, सुखारी भंडार में 94.87 प्रतिशत, सराइटिकरा में 94.81 प्रतिशत, पहाडकोरजा में 94.51 प्रतिशत है।

परिवार के साथ वोट डालने गए लाइन मैन के सूने मकान में चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर के घुटरापारा में चोरों ने सूने मकान का ताला तोडक़र चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। 16 नवंबर की शाम को लाइन मैन अपने घर में ताला बंद कर परिवार सहित वोट डालने अपने पैतृक गांव बतौली गया था। वोट डाल कर 17 नवंबर की रात को घर लौटा तो मकान का ताला टूटा था। चोरों ने घर व पेटी मिलाकर कुल 5 ताले तोड़े हैं। चोरों ने 12 हजार रुपए नकदी व अन्य सामान पार कर दिए है। लाइन मैन ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है।

सोमेन्द्र नारायण गुप्ता बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम घुटरापारा का रहने वाला है। इसका अंबिकापुर स्थित घुटरापारा में भी घर है। वह परिवार के साथ यहां रहता है। 17 नवंबर को वोट देने के उद्देश्य से 16 नवंबर की शाम को घर में ताला बंद कर परिवार सहित अपने पैतृक गांव बतौली गया था। 17 नवंबर को वोट डालकर रात को जब घर अंबिकापुर लौटा तो उसके घर का ताला टूटा हुआ था। चोरों ने घर व पेटी मिलाकर कुल 5 ताले तोड़े हैं। चोरों ने 12 हजार रुपए नकदी व अन्य सामान पार कर दिए हैं। लाइन मैन ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चुनाव परिणाम पर टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान

» अगले सीएम को लेकर कही ये बड़ी बात

» डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि, अब मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा।

» छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनेगी, टीएस सिंहदेव ने दिया बड़ा बयान

रायपुर/अंबिकापुर,18 नवंबर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंह देव ने कहा, ÷छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनेगी जिस तरह से कांग्रेस की सरकार ने काम किया है और जैसा काम करना चाहती है उसका सीधा प्रभाव देखने को मिलेगा।

सीएम चेहरे को लेकर सिंह देव ने दिया था बयान

मुख्यमंत्री कौन होगा इसके लिए चर्चाओं को बाजार गर्म हो चला है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव का बड़ा बयान सामने आया है। प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं इसके साथ ही अब मुख्यमंत्री कौन होगा इसके लिए चर्चाओं को बाजार गर्म हो चला है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव का बड़ा बयान सामने आया है, जहां उन्होंने कहा कि ये उनका अंतिम चुनाव था और वो अब चुनाव नहीं लड़ेंगे। बता दें कि सिंहदेव का ये बयान तब आया है जब प्रदेश में चुनाव सम्पन्न हुए हैं और परिणाम भी नहीं आए हैं। टीएस ने कहा कि उनके समर्थक व चाहने वाले लोग ये चाहते हैं कि वो सीएम बनें, मगर सीएम कौन होगा ये हाईकमान तय करेगा। मगर अब वो अपने निर्णय से ये कह रहे हैं कि अब वो चुनाव नहीं लड़ेंगे। इतना ही नहीं टीएस सिंह देव ने ये भी कहा कि पार्टी की ओर से उन्हें जो जिम्मेदारी दी जाएगी उसका निर्वहन वो करते रहेंगे। मगर चुनाव नहीं लड़ेंगे। प्रदेश में मिलने वाली सीटों को लेकर टीएस सिंह देव का कहना है कि प्रदेश सरकार ने बेहतर काम किया है ऐसे में 75 पार की वो बात तो नहीं करते मगर दो तिहाई बहुमत के साथ कांग्रेस सरकार जरूर बनाएगी। वहीं टीम इंडिया वर्ल्डकप जीते इसे लेकर लोग लगातार शुभकामनाएं दे रहे हैं इसी कड़ी में डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव ने भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार भारतीय टीम जरूर जीतेगी। दरअसल, बीते दिन मतदान के समय छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के परिवार ने टीएस बाबा को सीएम पद के लिए सबसे काबिल बताया था। जिसको लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम ने मुख्यमंत्री चेहरे पर खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी ने कभी भी मेरा नाम आगे नहीं बढ़ाया था। हम एक साझा नेतृत्व के तहत लड़ रहे हैं और भूपेश बघेल इसका नेतृत्व कर रहे हैं। मैंने नहीं सुना कि मेरे नाम को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट किया जा रहा है। हां, मेरे संपर्क में रहे लोगों के दिमाग में यह बात थी।

छत्तीसगढ़ में अपनों ने ही किया खेला...धोखे का खेल!

इन 3 विधानसभा सीटों पर कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी विरोधी काम को दिया अंजाम, 24 घंटे में पांचों से मांगा जवाब

रायपुर,18 नवंबर 2023(ए)।. विधानसभा चुनाव-2023 में कई जगहों से पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायतें सामने आ रही हैं. ऐसे में एक बार फिर 3 विधानसभा सीटों में कांग्रेस नेताओं ने पार्टी विरोधी गतिविधियों को अंजाम दिया है. जिस पर कांग्रेस ने संज्ञान लेते हुए 5 नेताओं को नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा है। पामगढ़, बेलतरा और चंद्रपुर में पार्टी अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ पार्टी विरोधी काम करने का मामला सामने आया है. इस मामले में त्रिलोक श्रीवास, पुष्पा पाटले, तारकेश्वर गभेल, दुर्गेश जायसवाल और गीतांजली पटेल को पीसीसी चीफ दीपक बैज के निर्देश पर नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर लिखित में जवाब मांगा है. जिसे प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजना होगा.

मुख्यमंत्री ने मतदान के बाद मतदाताओं का जताया आभार

रायपुर,18 नवंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में जनता के बेहतर रूझान, अच्छी वोटिंग प्रतिशत को देख कांग्रेस के रणनीतिकार खुश हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दूसरे चरण के मतदान के बाद मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ के मतदाताओं ने जिस उत्साह के साथ मतदान में भाग लिया है उससे साबित हो गया है कि कांग्रेस सरकार के पांच साल के कामकाज पर स्वीकृति की मुहर लगाई है।

सीएम श्री बघेल ने कहा है कि कांग्रेस भारी बहुमत के साथ फिर सरकार बनाएगी और फिर पहले की तरह ही मतदाताओं से किए अपने वादे निभाएगी। उन्होंने कहा है कि पिछले पांच साल सरकार ने जिस तरह किसान, मज़दूर, आदिवासी, युवाओं और महिलाओं सहित सभी वर्गों का खयाल रखा उसी की वजह से जनता का आशीर्वाद कांग्रेस को फिर से मिला है।

उन्होंने युवाओं के उत्साह की विशेष रूप से सराहना की है। उन्होंने प्रदेश के कारोबारी वर्ग को भी धन्यवाद देते हुए कहा है कि वे इसी तरह कांग्रेस का साथ निभाते रहे तो जल्द ही छत्तीसगढ़ कारोबार में भी देश में अपना विशिष्ट स्थान बनाएगा।

मस्तुरी सीट पर सभी दलों ने किया जीत का दावा

रायपुर,18 नवंबर 2023(ए)। मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 32 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित इस सीट पर अच्छे-अच्छे रणनीतिकार और जानकारों के दावे फेल होता नजर आ रहा है। इस सीट पर कांग्रेस-भाजपा के अलावा आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस जैसी पार्टी भी चुनाव मैदान में पूरी मजबूती के साथ डटी रही। मतदाताओं का रूझान भी अलग-अलग है, लिहाजा यहां की सीट पर कौन बाजी मारेगा? यह कहना मुश्किल हो गया है।

हालांकि कांग्रेस की ओर से कहा गया कि क्षेत्र की जनता ने भरपूर आशीर्वाद दिया है और कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है । भूपेश बघेल सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए विकास और उनकी घोषणाओं को भरोसे के साथ कांग्रेस की सरकार बनाने की महत्वपूर्ण रोल अदा करेगी और कार्यकर्ताओं की मेहनत की जीत होगी। इस बार निश्चित ही मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र से इस बार कांग्रेस पार्टी अपना वर्चस्व कायम रखेगी। कांग्रेस ने क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए आभार जताया है। दूसरी ओर भाजपा और अन्य दलों ने भी मतदान के लिए जनता का आभार जताते हुए अपनी-अपनी जीत के दावे किए हैं।

पीठासीन अधिकारी शराब पीकर धुत्त मिले

बेमेतरा,18 नवंबर 2023(ए)। शराब के नशे में मतदान ड्यूटी कर रहे पीठासीन अधिकारी को निलंबित किया गया है। अपर कलेक्टर की रिपोर्ट के बाद कलेक्टर ने निलंबन की कार्यवाही की है। पीठासीन अधिकारी के कर्तव्य निर्वहन के दौरान शिक्षक को अपर कलेक्टर ने नशे की हालत में पाया था। जिसके बाद रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी थी।

बेमेतरा जिले के बूथ क्रमांक 114 शासकीय प्राथमिक शाला कोदवा में शिक्षक संतोष सिंह राजपूत को पीठासीन अधिकारी बनाया गया था। वे मतदान केंद्र में मतदान के दिन नशे की हालत में पहुंच कर ड्यूटी कर रहें थे। मतदान केंद्र के निरीक्षण के लिए पहुंचे अपर कलेक्टर को निरीक्षण के दौरान पीठासीन अधिकारी के पद पर तैनात शिक्षक संतोष सिंह नशे की हालत में दिखे। उन्होंने तुरंत पंचनामा रिपोर्ट बना कर कलेक्टर को रिपोर्ट प्रेषित की।

मतगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में शराबखोरी को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर पीएस एल्मा ने अपर कलेक्टर की रिपोर्ट मिलने पर शिक्षक संतोष सिंह को निलंबित कर दिया हैं।

नक्सली हमले में शहीद जवान को दी गई अंतिम सलामी

गरियाबंद-रायपुर,18 नवंबर 2023(ए)। गरियाबंद में नक्सलियों के कायराना हमले में शहीद हुए आईटीबीपी के शहीद जवान गोगिंदर कुमार को अंतिम सलामी देकर उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए पैतृक गांव रवाना कर दिया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को गरियाबंद जिले के मैनपुर थाने के बड़ेगोबरा गांव के जंगल में नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया, जिससे इस घटना में मतदान दल की सुरक्षा में लगे भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के प्रधान आरक्षक जोगिंदर सिंह की जान चली गयी थी। शहीद जवान को ससम्मान अंतिम सलामी देकर अंतिम संस्कार के लिए उनका शव गृहग्राम के लिए रवाना कर दिया गया है।

कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष पर गिरी निलंबन की गाज

पीसीसी प्रभारी ने जारी किया आदेश

बालोद,18 नवंबर 2023(ए)। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण का मतदान शुक्रवार को संपन्न हो चुका है। प्रदेश में चुनाव संपन्न होने के बाद सभी उम्मीदवारों की किस्मत ईव्हीएम में कैद हो चुकी है। चुनाव पूरा होने के बाद से ही प्रदेश में पार्टी विरोधी कार्य करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गयी है। प्रदेश में बागी नेताओं के साथ-साथ पार्टी विदेओढी कार्य करने वालों पर अब गाज गिरना शुरू हो गई है। इसी कड़ी में पीसीसी प्रभारी मलकीत सिंह गेंदू ने बालोद कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष को निष्काषित कर दिया है। बता दें कि, बालोद कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष हलधर साहू पर पार्टी विरोधी कार्य करने का आरोप लगा था। इसी के चलते पीसीसी प्रभारी मलकीत सिंह गेंदू हलधर साहू को निष्काषित कर दिया है।

जेसीसीजे नेता ने लगाया गंभीर आरोप

लोरमी,18 नवंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश में 70 विधानसभा क्षेत्र पर मतदान 17 नवम्बर को संपन्न हुआ। वहीं लोरमी विधानसभा को हाई प्रोफाइल सीट माना जा रहा था, जहाँ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव और जेसीसीजे के नेता सागर सिंह के साथ ही कांग्रेस से पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थानेस्वर साहू के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला। साथ ही मतदान के समय वाद-विवाद भी नजर आया।

इसी को लेकर आज जेसीसीजे नेता सागर सिंह ने अरुण साव पर जमकर आरोप लगाये हैं। श्री बैस ने कहा कि, वनांचल में भारी मात्रा में पैसा परोसा गया है। मेरे कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट भी की गई। श्री बैस ने कहा कि, कि मैंने उन लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया हूं।

सीएम भूपेश बघेल के पिता हॉस्पिटल में भर्ती

रायपुर,18 नवंबर 2023(ए)। सीएम भूपेश बघेल के पिता नंदकुमार बघेल हॉस्पिटल में भर्ती है. सीएम ने जानकारी देते बताया कि बाबूजी अस्वस्थ हैं। चुनाव की गहमा-गहमी में उनसे मिलने अस्पताल भी नहीं आ पाया था। आज उनसे आशीर्वाद लेने पहुंचो । उनकी जीजीविषा मेरे लिए हमेशा प्रेरणा रही है।

युवक को नक्सलियों ने मारी गोली

कांकेर/पखांजूर,18 नवंबर 2023(ए)। अथक प्रयासों के बाद भी नक्सलियों की हरकत खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन नक्सली ग्रामीण व जवानों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश में रहते हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि नक्सलियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है।जानकारी के अनुसार मामला छग-महाराष्ट्र सीमावर्ती क्षेत्र लहरी थाना का है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने पुलिस मुखबीर के शक में युवक को मौत के घाट उतारा है। गांव के कुछ ही दूर नेलगोंडा रोड में युवक को गोली मारकर हत्या की है।

चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी में मची बगावत

सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता केशकाल से पहुंचे राजीव भवन, कर रहे ये मांग

रायपुर,18 नवंबर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के बाद केशकाल से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता राजीव भवन पहुंचे। सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष अमीन मेनन को हटाने की मांग कर रहे हैं। पीसीसी प्रभारी कुमारी शैलजा, दीपक बैज से कार्यकर्ता मिलने पहुंचे हैं। कांग्रेस के कार्यकताओं का आरोप है कि अमीन मेनन चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ काम कर रहे थे। कार्यकताओं का कहना कि अमीन मेनन चुनाव में दूसरे पार्टी के लिए काम किए हैं। इन्हें उनके पद से निष्कासित कर देना चाहिए। सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता केशकाल से राजीव भवन पहुंचकर अमीन मेनन को हटाने की मांग कर रहे हैं। उन्हें पीसीसी प्रभारी कुमारी शैलजा, दीपक बैज से मिलने के बाद इनसे अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष अमीन मेनन को निष्कासित करने की बात रखेंगे।

जिला अस्पताल में पाई गई लापरवाही

एक ही फिजर में रख दिए दो डेड बॉडी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,18 नवंबर 2023(ए)। जिले में अलग-अलग दो मामलों में 2 युवकों की मौत का मामला सामने आया है। पहले मामले में उत्कल एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर 1 युवक की मौत हुई तो वहीं दूसरे मामले में अज्ञात युवक का शव रेलवे ट्रैक के किनारे मिला है। दोनों ही मामलों में जीआरपी और गौरेला पुलिस जांच में जुट गई है।

वहीं दूसरे मामले में पेंड्रारोड से खोडरी रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे लाइन के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का रेलवे ट्रैक के किनारे शव मिला। जिसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची गौरेला पुलिस की टीम ने बॉडी को रिकवर किया और दोनों ही शव को जिला अस्पताल रखवा दिया है। वहीं इस दौरान मानवीय संवेदना तार-तार होते और अस्पताल की अव्यवस्था भी देखने मिला।

अस्पताल में एक फीजर होने के कारण दोनों ही बॉडी को एक ही फिजर में रख दिया गया , इस वक्त एक मृतक युवक का पैर दूसरे मृतक युवक के चेहरे पर पड़ा रहा। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान होने पर 1 बॉडी को पीएम के बाद परिजनों को सौप दिया है तो दूसरे युवक का शव फीजर में रखवा दिया है।

छत्तीसगढ़ के नक्सली ने झारखंड में किया सरेंडर

रायपुर,18 नवंबर 2023(ए)। झारखंड के लातेहार में भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के एरिया कमांडर जितेंद्र नगेशिया ने आत्मसमर्पण कर दिया। जितेंद्र पर तीन पुलिस जवानों की हत्या के बाद उनके हथियार लूटने सहित करीब एक दर्जन नक्सली वारदातों में शामिल रहने का आरोप है।

जितेंद्र ने लातेहार के उपायुक्त हिमांशु मोहन और पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के सामने हथियार डाला। 41 वर्षीय जितेंद्र गढ़वा जिले के भंडरिया थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वर्तमान में वह छत्तीसगढ़ के कुसमी थाना क्षेत्र के पिपरढाबा में रहता था। वह साल 2018 के दिसंबर माह में माओवादी संगठन से जुड़ा था।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने जितेंद्र नगेशिया को गुलदस्ता व शॉल भेंट कर समाज की मुख्यधारा में आने पर बधाई दी। उपायुक्त ने कहा कि आत्मसमर्पण नीति के तहत सरकार द्वारा दिये जाने वाले सभी लाभ मिलेंगे। एसपी ने अन्य उग्रवादियों से अपील करते हुए कहा कि सरकार की आत्मसमर्पण नीति के तहत समाज की मुख्य धारा में लौट जाएं।

महिला अधिकारियों ने निर्वाचन कार्य में बखूबी निभाया फर्ज

बैकुंठपुर के महिला अधिकारियों ने साबित की वे सक्षम-सबला-स्वावलंबी है

अंकिता सोम, रिटर्निंग अधिकारी

कविता ठाकुर, एसडीओपी

नंदिनी साहू, उप जिला निर्वाचन अधिकारी

मोनिका ठाकुर, अति.पुलिस अधीक्षक

-रवि सिंह-
कोरिया,18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा की बात जब हो तो इन महिला अधिकारियों के बिना अधूरा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ भी महिला अधिकारी रीना बाबा कंगाले हैं तो श्रीमती शिखा राजपूत तो सरगुजा सम्भाग का कमान सम्हाली हुई हैं। बैकुंठपुर उप जिला निर्वाचन अधिकारी के तौर पर श्रीमती नंदिनी साहू जो लगातार निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में जुटी रहीं। वे देर रात तक नोटशीट, फाइल को अपडेट करती रहीं तो मतदान कार्य में लगे कर्मियों के प्रशिक्षण व मुख्य निर्वाचन कार्यालय में जानकारी देने में भी अहम भूमिका निभाई। रिटर्निंग अधिकारी के तौर पर श्रीमती अंकिता सोम थीं, जो लगातार बैठक और निर्वाचन सम्बंधी कार्यों में व्यस्त थीं। प्रत्याशियों के नामांकन जमा करवाने, जांच करने में अहम जिम्मेदारी मिली थीं। उन्होंने आयोग के आदेश-निर्देश और हर नस्ती, प्रपत्र को सूक्ष्म जांच उपरांत हस्ताक्षर कर अपनी जवाबदेही को बेहतर ढंग से निभाया। जब हम सुरक्षा की बात करते हैं तो हमारी पुर्वाग्रह सामने आती है और पुरूष प्रधान समाज के कारण महिलाओं पर सुरक्षा की जिम्मेदारी की बात

सपना सिन्हा, सहायक आबकारी अधिकारी

मोनल साय, नायब तहसीलदार

करना हज़म नहीं होता, लेकिन बैकुंठपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर और एसडीओपी कविता ठाकुर ने निर्वाचन जैसे अति आवश्यक कार्यों में साबित किया कि वे सक्षम हैं सबला है, स्वावलंबी है। दोनों अधिकारी लगातार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना व पुलिस जवानों से अपडेट लेती रहीं और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश पर अपने मातहत को काम करने के लिए प्रोत्साहित भी करती रहीं। आचार संहिता लगते ही 24 बाई 7 की तर्ज पर कानून व्यवस्था को लेकर फिक्रमंद रहीं। सुरक्षा, शांति और सहयोग के लिए दिन रात जुटी रहीं। भयमुक्त व निष्पक्ष चुनाव के लिए लगातार दौड़ लगाने में पीछे नहीं रही। इसी तरह डिप्टी कलेक्टर व बैकुंठपुर के तहसीलदार के पद पर कार्यरत चाँदनी कंवर इस निर्वाचन में ठंडे दिमाग से काम करते हुए सौपे गए जवाबदेही को बहुत ही गम्भीरता के साथ निर्वाचन कार्य में दिन रात जुटी रहीं। निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों व मतदान दलों के लिए सुचारू वाहन, डीज़ल, पेट्रोल आदि व्यवस्था की जिम्मेदारी नायब तहसीलदार श्रीमती मोनल साय के जिम्मे थीं। उन्होंने अपनी एक वर्षीय बिटिया एकांशी और निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को बेहद संजीदगी के साथ दोनों जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में सफल रहीं। सहायक रिटर्निंग अधिकारी अमृता सिंह तो बाकायदा घर में समय सारणी बनाकर काम की है। एक तरफ पारिवारिक जिम्मेदारी तो दूसरी ओर निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य। आत्मविश्वास से लबरेज अमृता सिंह चुनावी कार्य में बेहद गम्भीरता से अपने कार्य को अंजाम देने सफल रहीं। शराब और महिला.. सुनने में अटपटा लगेगा। लेकिन सहायक आबकारी श्रीमती सपना सिन्हा तो केवल आबकारी के लिए ही बनी हो। वे लगातार अवैध शराब, कोचियों के खिलाफ धरपकड़ व छापामारी में लगी रही ताकि चुनाव में कोई गड़बड़ी न हो। इन अधिकारियों ने बताया कि हम लोगों के ऊपर जिला कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, एस.पी. त्रिलोक बंसल और मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने जो भरोसा किया और निर्वाचन आयोग ने विश्वास किया यह हम सबके लिए गौरव की बात है।

अमृता सिंह, सहायक रिटर्निंग अधिकारी

चांदनी कंवर, डिप्टी कलेक्टर

3 दिसम्बर को खुलेगा किस्मत का पिटारा

स्ट्रांग रूम में पर्यवेक्षक के मौजदूगी में 'लॉक' हुआ प्रत्यशियों का भाग्य

-संवाददाता-
कोरिया,18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

17 नवम्बर को बैकुंठपुर विधानसभा में मतदान हुआ है। कल देर रात तक मतदान दलों की वापसी होने का सिलसिला जारी था।
जानकारी के मुताबिक सभी मतदान दल सकुशल वापसी हो गए हैं और मतदान अधिकारी अपने-अपने ईवीएम व वीवीपीएटी मशीन को स्ट्रांग रूम बनाये गए बैकुंठपुर के रामानुज हायर सेकेंडरी स्कूल में पर्यवेक्षक श्री नारायण चन्द्र सरकार की मौजूदगी कमरे में सील-ताला लगाकर बंद किया गया है। स्ट्रांगरूम में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई, वहीं बाहरी व अनाधिकृत व्यक्तियो के प्रवेश पर पूर्ण पाबंदी की गई है। बता दें अब आगामी 3 दिसम्बर 2023 को होने वाले मतगणना के दिन ही यह ताला खुलेगी। इस तरह सभी आठों प्रत्याशियों के किस्मत का पिटारा 3 दिसम्बर को खुलेगी तब तक इन प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम में लॉक रहेगा। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती अंकिता सोम सहित अन्य अधिकारी व सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

भरतपुर सोनहत विधानसभा 83.76,मनेंद्रगढ़ विधानसभा 74.24 व बैकुंठपुर विधानसभा में 81.79 प्रतिशत हुआ मतदान

-संवाददाता-
कोरिया,18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

सुबह 11 बजे बैकुंठपुर विधानसभा निर्वाचन में 39.93 प्रतिशत मतदान हुआ था जो 3 बजे 62.40 प्रतिशत पहुंच गया था। ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाता दोपहर के बाद बड़ी संख्या में मतदान करने पहुंचे थे अभी मिली जानकारी के मुताबिक बैकुंठपुर विधानसभा निर्वाचन में 81.79 प्रतिशत मतदान हुए हैं जिसमें पुरूष मतदाताओं ने 82.13 प्रतिशत, महिला मतदाताओं की संख्या 81.44 प्रतिशत व थर्ड जेंडर मतदाताओं ने 60 प्रतिशत मतदान

की है। बता दें बैकुंठपुर विधानसभा निर्वाचन के लिए 228 मतदान केंद्र व सोनहत विकासखण्ड में 78 मतदान केंद्र बनाए गए थे। वहीं शेहराडांड, रावला व कांटो जैसे दूरस्थ वनांचल मतदान केन्द्रों में शतप्रतिशत मतदान सम्पन्न हुए। जिले में मतदान बेहद शांतिपूर्ण माहौल में हुआ।

कलेक्टर ने व्यक्त किया सबका आभार- कलेक्टर विनय लंगेह ने जिले के सभी मतदाताओं से कहा है कि लोकतंत्र के इस महाकुम्भ में आप सब साक्षी बने इसके लिए बहुत बधाई व आभार। उन्होंने सभी मतदान अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, पुलिस कर्मियों, मीडिया व पत्रकारों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने महिला व दिव्यांग कर्मियों को विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि आप लोग विषम परिस्थितियों के बावजूद इस महत्वपूर्ण कार्य मे सहभागी बने इसके लिए बहुत शुभकामनाएं। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा है कि भविष्य में भी जिला प्रशासन व निर्वाचन आयोग का सहयोग इसी तरह से करें।

भरतपुर सोनहत विधानसभा क्रमांक 1
पुरुष 73444
महिला 74445
थर्ड जेंडर 1
कुल 147890
83.76 प्रतिशत

मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्रमांक 2
पुरुष 50440
महिला 49597
थर्ड जेंडर 0
कुल 100037
74.24 प्रतिशत

मतदान दलों ने चुनाव संपन्न कर पहुंचे वापस

लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाने के लिए जिस शिद्दत के साथ कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विनय कुमार लंगेह जुटे हुए थे वह यादगार बना। आज मतदान पश्चात मतदान अधिकारियों की वापसी हुई तो कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मतदान दलों से जुड़े कर्मियों के पीठ थपथपाई और उनके कार्यों की प्रशंसा की। बता दें बैकुंठपुर के रामानुज स्कूल में मतदान दलों की वापसी शुरू हो गई है। जिसके तहत सोनहत विकासखण्ड के छिंगुरा मतदान दल सबसे पहले वापस हुए हैं। इस मतदान केंद्र में 94 प्रतिशत मतदान हुआ है। डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने मतदान दलों को पुष्प गुच्छ से अभिनन्दन किया और उनके हौसला अफजाई करते हुए कहा कि आप लोगों के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी थीं, जिसे आप लोगों ने बखूबी किया। मतदान दलों की वापसी होना शुरू हो गया है। रामानुज मिनी ग्राउंड बैकुंठपुर में कलेक्टर, एसपी त्रिलोक बंसल व अन्य अधिकारी उपस्थित होकर मतदान दलों के वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

करोटी मतदान केंद्र में लगभग रात्रि 09:00 बजे तक जारी रहा मतदान, मतगणना रविवार 03 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से

तीनों विधानसभा में कुल 82.05 प्रतिशत रहा मतदान

-संवाददाता-
सूरजपुर ,18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

17 नवंबर कि मतदान प्रक्रिया में तीनों विधानसभा प्रेमनगर (04), भटगांव (05), प्रतापपुर (06) के क्षेत्रवासियों द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई गई। जिसमें सभी मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया। कई मतदान केंद्र में संध्या 05:00 बजे के बाद भी मतदान जारी रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार करोटी मतदान केंद्र में लगभग रात्रि 09:00 बजे तक जारी रहा। रविवार 03 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से मतगणना आईटीआई कॉलेज पर्री में प्रारंभ होगी।

प्राप्त अंतिम जानकारी के अनुसार तीनों विधानसभा में कुल 5,78,722 (82.05 प्रतिशत) मतदाताओं द्वारा मतदान किया गया। जिसमें पुरुष 2,91,135 महिला 2,87,586 मतदाताओं ने वोटिंग में अपनी सहभागिता प्रदर्षित की। विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर (04) में 80.84 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें 96789 पुरुष मतदाता एवं 94855 महिला मतदाताओं ने मतदान किया। विधानसभा क्षेत्र भटगांव (05) में 81.87 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें कुल 98066 पुरुष मतदाता एवं 95739 महिला मतदाताओं ने मतदान किया। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक प्रतापपुर (06) में 83.45 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें 96280 पुरुष मतदाता एवं 96992 महिला मतदाताओं ने मतदान किया।

ईव्हीएम मशीन को स्ट्रांग रूम में किया गया सील

सीसीटीवी और सुरक्षा जवानों द्वारा रखी जा रही है निगरानी

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के लिए जिले के तीनों विधानसभा के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्री रंजीत कुमार जे (आईएएस), कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल, रिटर्निंग अधिकारी, प्रत्याशी एवं उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रेमनगर(04), भटगांव(05) व प्रतापपुर(06) विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों में मतदान के लिए उपयोग में लाई गई ईव्हीएम मशीन को स्ट्रांग रूम में सीलिंग कर दिया गया है। इस पूरे प्रक्रिया की वीडियोग्राफ़ी भी कराई गई। सुरक्षा जवानो द्वारा स्ट्रांग रूम की निगरानी 24/7 रखी जायेगी। स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए सीसीटीवी स्थापित किये गये है।

मतदान प्रक्रिया संपन्न कर वापस लौटे मतदान कर्मियों का किया गया स्वागत

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जिले के तीनों विधानसभा प्रेमनगर (04), भटगांव (05) व प्रतापपुर (06) में 17 नवंबर को सफलतापूर्वक मतदान कर मतदान दल अपने-अपने चिन्हित मतदान केंद्र से मतदान सामग्री के साथ आईटीआई कॉलेज पर्री पहुंचा। सबसे पहले भटगांव और उसके बाद क्रमशः प्रेमनगर व प्रतापपुर के मतदान दल की वापसी हुई। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा मतदान दल के सभी कर्मियों का स्वागत किया गया। उन्होंने मतदान दल के सभी कर्मियों को सफलतापूर्वक मतदान की प्रक्रिया समापन करने पर उन्हें बधाई दी और उनकी प्रशंसा की। मतदान दल कर्मियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जिला निर्वाचन के योजनाबद्ध प्रबंधन से मतदान केंद्र पहुंचने में उन्हें कोई भी बाधा नहीं आई। यातायात की उचित प्रबंधन हुआ निश्चित रूप चार्ट से सभी समय पर मतदान केंद्र पहुंच गए और वापसी के समय भी सुगमता के साथ वापस आए। आईटीआई कॉलेज पर्री वापसी के पश्चात मतदान सामग्री वापसी हेतु भी पहले से प्रबंध कर लिए गया था जिसे आसानी से मतदान सामग्री का संग्रह सुनिश्चित हुआ।

मतदाताओं के लिए बनाए गए आदर्श मतदान केंद्र संगवारी

युवा मतदान केंद्र की मतदाताओं ने की सराहना...खुशी-खुशी किया मतदान

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले के सभी विधानसभाओं में आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए थे। जो आकर्षक था और अतिरिक्त सुविधाएं मुहैया कराई गई थी। जिले के तीनों विधानसभा के अंतर्गत कुल 728 मतदान केंद्र थे। 53 शहरी क्षेत्र व 675 ग्रामीण क्षेत्र में स्थित थे। इन मतदान केन्द्रो में 25 संगवारी मतदान केंद्र थे, जिसके संचालन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी महिला कर्मियों की थी। विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर(04) के अंतर्गत 10 संगवारी मतदान केन्द्र, भटगांव(05) क्षेत्रांतर्गत 10 एवं प्रतापपुर (06) में 05 संगवारी केन्द्र बनाये गये थे। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक-एक अर्थात कुल 03 दिव्यांग बूथ बनाया गये थे। इसके साथ ही एक युवा बूथ निर्धारित किया गया था। इन केंद्रों में मतदाताओं ने बड़ी संख्या में आकर मताधिकार का उपयोग किया और सुविधाओं का लाभ उठाया। सेल्फी जोन में युवाओं ने सेल्फी ली। बुजुर्गों व दिव्यांगजनों को लंबी लाइन की कतार में लगने की आवश्यकता नहीं थी, मतदान केंद्र में उन्हें प्राथमिकता दी गई थी। दिव्यांगजन, 80 प्लस व उम्र दराज लोगों के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था भी मतदान केंद्रों में की गई थी। बूथ में आये मतदाताओं ने मतदान केंद्र में किए गए व्यवस्था की तारीफ की। उन्होंने बताया कि योजना पर तरीके से किए गए इस प्रबंधन से उन्हें काफी सहूलियत हुई। मतदाताओं ने संगवारी केंद्र (पिंक बूथ) में योगदान दे रही महिलाओं की विशेष रूप से तारीफ की। उन्होंने मतदान मित्र जिसमें एनएसएस और स्काउट गाइड के बच्चे शामिल थे उनकी भी तारीफ की।

मतदान दिवस पर महिलाओं,बुजुर्गों,दिव्यांगों तथा युवाओं में दिखा अभूतपूर्व उत्साह

जिले में विधानसभा चुनाव में उत्सव का माहौल दिखा। मतदान में बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाओं सहित युवाओं नें भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। लोकतंत्र के चुनावी उत्सव में शामिल होने के लिए उत्साहित मतदाता मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही मतदान के लिए पहुंचे गये थे । मतदान केन्द्रों में बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर, रैम्प आदि की बेहतर व्यवस्था की गई थी। बुजुर्ग एवं दिव्यांगजनों के लिए एनसीसी के बच्चों ने मतदान मित्र के रूप में सहयोग भी किया तथा पुलिस के जवानों ने भी सेवा भावना के साथ उनकी मदद की। दिव्यांगजानों व बुजुर्गों ने मतदान में लिया बढ़चढ़ कर हिस्सा- मतदान केद्र में दिव्यांगजनो व बुजुर्गों ने भी अपनी सहभागिता प्रदर्शित की। बिहारपुर से दिव्यांग श्री राजकुमार अपने मतदान केंद्र वोट देने आए थे जहां उन्होंने मतदान मित्र द्वारा प्राप्त सहयोग पर उनकी तारीफ की। इसके साथ ही बुजुर्ग मतदान केंद्र पहुंचे थे जिसमें ओड़गी से 75 वर्षीय रिझनी बाई, भैयाथान से 85 वर्षीय काशी पैकरा, गंगापुर से 80 वर्षीय सुघरी बाई लोकतंत्र सशक्तिकरण उनकी यह भागीदारी सुनिष्चित करेगी।

प्रेक्षक ने राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में मतदान प्रपत्रों की संवीक्षा की

-संवाददाता-
कोरबा, 18 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 21 कोरबा (अनुसूचित जनजाति) के सामान्य प्रेक्षक प्रियतु मंडल ने आईटी कॉलेज सभा कक्ष में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में मतदान के दौरान एएसडी मतदान संबंधी तथा विधानसभा के औसत प्रतिशत से अधिक मतदान वाले मतदान केन्द्रों के प्रपत्रों की संवीक्षा की। इसके बाद मतदान केन्द्रवार लिफाफे खोलकर प्रपत्रों की बारीकी से संवीक्षा की गई। संवीक्षा की निष्पक्षता के लिए संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी भी कराई गई। प्रपत्रों की संवीक्षा के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार, रिटर्निंग ऑफिसर उपस्थित रहे।

जिले में पिछले विधानसभा निर्वाचन से इस वर्ष मतदान में हुई बढ़ोतरी

वृहद मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों का मतदाताओं में दिखा असर

-संवाददाता-
बलरामपुर, 18 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रिमिजियुस एक्का के कुशल मार्गदर्शन में विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में मतदान शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हुआ। जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से जिले में इस बार पिछले विधानसभा निर्वाचन से मतदान में बढ़ोतरी हुई है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा निर्वाचन 2018 में जिले में मतदान का प्रतिशत 82.35 प्रतिशत था, जो कि इस वर्ष विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी करते हुए 83.44 प्रतिशत मतदान हुआ है। निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में कुल 83.44 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें 06-प्रतापपुर(आंशिक) विधानसभा में 83.32 प्रतिशत, 07-रामानुजगंज विधानसभा में 83.51 प्रतिशत तथा 08-सामरी विधानसभा में 83.44 प्रतिशत मतदान हुआ।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रिमिजियुस एक्का के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा जिले में मतदाताओं को जागरूक करने वृहद रूप से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न स्तर पर किया गया। जिसके माध्यम से जिले के मतदाताओं एवं आम नागरिकों को लोकतंत्र में मताधिकार के महत्व की जानकारी देते हुए, उन्हें सभी प्रकार के निर्वाचनों में अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार के प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया। ज्ञात हो कि मतदान दिवस 17 नवम्बर को जिला प्रशासन द्वारा मतदाताओं को प्रेरित करने आदर्श, संगवारी, दिव्यांग, युवा मतदान केन्द्रों की व्यवस्था की गई थी। आदर्श मतदान केन्द्रों में जिले के ऐतिहासिक स्थलों, जलप्रपातों पर आधारित आकर्षक मतदान केंद्र बनाए गए थे, जो कि मतदाताओं के लिए खासा आकर्षण का केन्द्र रहा। मतदान दिवस पर मतदान केंद्रों में लगी मतदाताओं की लंबी कतारों के रूप में नजर आया। जिले में सभी वर्गों के मतदाताओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

विधानसभा निर्वाचन 2023: जशपुर जिले में 77.27 प्रतिशत हुआ मतदान

महिलाओं ने 79.50 प्रतिशत किया मतदान,महिलाओं की मतदान में रही सक्रिय सहभागिता

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने पर आभार व्यक्त किया

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत् जिले की तीनों विधानसभाओं जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव विधानसभाओं में शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न मतदान संपन्न होने पर मतदान कार्य संपादित एवं संपन्न कराने वाले सभी अधिकारियों-कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों सहित जिले के नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मतदान कराने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ मतदान सुचारू ढंग से संपन्न कराने में अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का भली-भांति निर्वहन किया, वहीं सुरक्षा कर्मियों द्वारा भी सुरक्षा जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया गया। जिले के नागरिकों ने पूरे सहयोग के साथ निर्वाचन व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लेकर मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी आस्था व्यक्त की। नए मतदाताओं ने भी पहली बार मताधिकार का प्रयोग करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही। वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों ने भी मतदान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सभी तरह के समाचारों का पर्याप्त कव्हरेज करते हुए सभी को अवगत कराया। स्काउट-गाइड, एनएसएस के छात्रों द्वारा मतदान के समय उपयोगी भूमिका निभाई गई, जो सराहनीय है। मतदान दलों को लाने-ले जाने के अन्य कार्यों में लगे वाहन चालकों के सहयोग के बिना यह निर्वाचन कार्य भली-भांति संपादित नहीं हो पाता, इनके पूर्ण समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठ होने के फलस्वरूप यह कार्य संपादित हुआ है, इसके लिए सभी वाहन चालक बधाई के पात्र हैं। इसके अलावा स्व सहायता समूह, सामाजिक संगठनों सहित अन्य सभी संस्थाओं ने अपनी भूमिका अदा की है और उनका कार्य सराहनीय रहा है, ये सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

-संवाददाता-
जशपुरनगर, 18 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 के द्वितीय चरण में 17 नवम्बर 2023 को सुबह से ही जशपुर जिले के शहरी और सुदूर वनांचल क्षेत्र के मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह दिखाई दिया। महिला, युवाओं, बुजुर्ग और दिव्यांग भी मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान करने के लिए उत्साहित दिखे। प्राप्त अंतिम मतदान की स्थिति अनुसार 17 नवम्बर को जिले में 5 लाख 16 हजार 508 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो डाले गए मतों का 77.27 प्रतिशत है। इसमें 2 लाख 51 हजार 220 पुरुष मतदाता एवं 2 लाख 65 हजार 285 महिला मतदाता और अन्य के 03 मतदाताओं ने मतदान किया, जो डाले गए मतों में पुरुष मतदाता 76.38 प्रतिशत एवं महिला मतदाता 79.50 प्रतिशत है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 12-जशपुर में 1 लाख 79 हजार 976 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो डाले गए मतों का 75.93 प्रतिशत है। इसमें 89 हजार 271 पुरुष मतदाता एवं 90 हजार 703 महिला मतदाताओं ने मतदान किया, जो डाले गए मतों में पुरुष मतदाता 75.87 प्रतिशत एवं महिला मतदाता 75.99 प्रतिशत है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 13-कुनकुरी में 1 लाख 58 हजार 455 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो डाले गए मतों का 77.29 प्रतिशत है। इसमें 75 हजार 817 पुरुष मतदाता एवं 82 हजार 637 महिला मतदाताओं ने मतदान किया, जो डाले गए मतों में पुरुष मतदाता 75.53 प्रतिशत एवं महिला मतदाता 78.98 प्रतिशत है।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 14-पत्थलगांव में 1 लाख 78 हजार 77 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो डाले गए मतों का 78.66 प्रतिशत है। इसमें 86 हजार 132 पुरुष मतदाता एवं 91 हजार 945 महिला मतदाताओं ने मतदान किया, जो डाले गए मतों में पुरुष मतदाता 77.75 प्रतिशत एवं महिला मतदाता 79.53 प्रतिशत है।

जशपुर,पत्थलगांव और कुनकुरी विधानसभा के ईवीएम मशीनों को स्ट्रांग रूम पहुंचाकर किया गया सील

जशपुर जिले के तीनों विधानसभा जशपुर, कुनकुरी और पत्थलगांव क्षेत्र में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। मतदान पश्चात पत्थलगांव विधानसभा एवं कुनकुरी विधानसभा की मतदान सामग्रियों को ठाकुर शोभा सिंह शासकीय महाविद्यालय पत्थलगांव एवं कुनकुरी विधानसभा के मतदान सामग्री को स्वामी आत्मानंद स्कूल कुनकुरी में सुरक्षित सुरक्षा बल के साथ रखा गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री डी. रविशंकर की अगुवाई में ईवीएम मशीनों को सुरक्षा बल के साथ शासकीय मॉडल स्कूल जशपुर, डोडकाचौरा में सुरक्षित पहुंचाया गया एवं स्ट्रांग रूम को सील किया गया। जशपुर विधानसभा के के ईवीएम मशीनों के पेटियों को पहले ही सुरक्षित सील बंद कर स्ट्रांग रूम में रखा गया है। जिले में विधानसभा मतदान के पश्चात तीनों विधानसभा जशपुर, कुनकुरी और पत्थलगांव की सभी मतपेटियों के आने के बाद सामान्य प्रेक्षक आईएएस राजीव पराशर और आईएएस श्री राजीव रंजन, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी रविशंकर और राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शासकीय मॉडल स्कूल जशपुर, डोड़काचौरा में स्ट्रांग रूम को सील किया गया। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात हैं। सभी विधानसभा क्षेत्र के दरवाजे पर सुरक्षा के जवान तैनात हो गए हैं। स्ट्रांग रूम में विधानसभा वार विधानसभा के हिसाब से अलग-अलग ईवीएम एवं वीवीपैट रखी गई हैं। प्रशासन द्वारा स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है। जिसके लिए मॉनिटरिंग कक्ष बनाया गया है। 3 दिसंबर को मतगणना होगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रवि मित्तल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी रविशंकर ने शासकीय मॉडल स्कूल जशपुर, डोड़काचौरा में स्ट्रांग रूम, मतगणना स्थल और सीसीटीवी मॉनिटरिंग कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा, अपर कलेक्टर आई. एल. ठाकुर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी आर. पी. चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप एवं रिटर्निंग अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शांतिपूर्वक मतदान के लिए मतदाताओं का माना आभार : सौरभ कुमार

-संवाददाता-
कोरबा, 18 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने कोरबा जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान के लिए मत दाताओं, अभ्यर्थियों, राजनैतिक दलों सहित मीडिया के प्रतिनिधियों और प्रेक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित कर उनके प्रति आभार जताया है। कलेक्टर सौरभ कुमार ने आईटी कालेज परिसर से जारी अपने संदेश में कहा कि लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व मतदान के लिए जरुरी प्रशासनिक व्यवस्थाएं और सुरक्षा के साथ-साथ जनभागीदारी और सभी वर्गों के लोगों का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण है। जिले में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रशासनिक तौर पर व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाती है, परंतु मतदान के लिए मतदाताओं को जागरुक बनाने और उन्हें मतदान केन्द्रों तक स्वर्स्फूत पहुंचकर वोट डालने के लिए प्रेरित करने का काम सबसे चुनौती भरा होता है। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासनिक तैयारियों और सुरक्षा के लिए जरुरी सभी इंतजाम करने जिला प्रशासन के अधिकारियों, कर्मचारियों ने दिन रात एक कर जी-तोड़ मेहनत की है। महिला अधिकारियों ने भी पुरुष अधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मतदान की इस प्रक्रिया को निष्पक्ष-शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को इसके लिए अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने चुनाव जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सहयोग करने वाले शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, होमगार्ड सहित अन्य सभी व्यक्तियों जिन ने सफलतापूर्वक और निष्पक्ष स्वतंत्र तथा शांतिपूर्ण चुनाव में अपना अमूल्य सहयोग दिया है, के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट,सोशल मीडिया के प्रतिनिधियों के द्वारा चुनाव कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं को अभ्यर्थियों, आम जनता तक पहुंचाने तथा चुनाव कार्य में सहयोग के लिए उनके प्रति अपना आभार जताया है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी प्रकरण की जानकारी लोगो तक पहुचाने के साथ-साथ कोरबा जिले में चुनाव के दौरान कोई भ्रामक खबर या अफवाह को फैलने से रोकने में जिला प्रशासन को मीडिया का बेहतर सहयोग मिला। उन्होंने मतदान की सही और सटीक खबरों के प्रसारण को प्रमुख स्थान देने के लिए भी मीडिया प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

CMYK

आईसीसी वर्ल्ड कप फाइनल मैच में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से बीस साल का पुराना हिसाब चुकता करने के इरादे से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में उतरेगी

आज होगा भारत आस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप का महाजंग

» जीत की मजबूत दावेदार है भारतीय टीम

अहमदाबाद, 18 नवम्बर 2023। पूरे देश के लिए 19 नवंबर की तारीख बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इस दिन क्रिकेट के महासंग्राम का अंत होगा। भारतीय टीम इस मैच में ऑस्ट्रेलिया से 23 मार्च 2003 जोहान्सबर्ग में मिली हार का बदला लेने मैदान में उतरेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व कप फाइनल का मैच खेला गया था, जिसमें रिकी पोंटिंग के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 140 रनों की शानदार पारी की बदौलत 359 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए इस स्कोर का पीछा करना बेहद कठिन था। भारतीय टीम ने जैसे ही टारगेट का पीछा करना शुरू किया सचिन तेंचदुलकर ने पहले ओवर मे ग्लेन मैक्ग्रा को चौका जड़ा। पांचवी गेंद पर ही सचिन पवेलियन लौट गए। इसके बाद वीरेंद्र सहवाग 81 रन, राहु द्रविड़ 47 रन बनाने में सफल हुआ। मगर दोनों के अलावा कोई और खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के आगे टिक नहीं सका। इस मैच में भारतीय टीम 125 रनों से हार गई। इस हार का बदला अब भारतीय टीम कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में 7547 दिनों के बाद ऑस्ट्रेलिया से लेगी। भारतीय टीम के पास मौका है कि फाइनल में मिली उस हार का बदला ऑस्ट्रेलिया को हराकर पूरा किया जाए। वर्ष 2003 की भारतीय टीम में खिलाड़ी के तौर पर राहुल द्रविड़ भी थे जो वर्तमान में भारतीय टीम के हेड कोच है। उस टी का हिस्सा अजीत अगरकर भी थे, जो वर्तमान में चीफ सेलेक्टर है। अहमदाबाद के फाइनस मुकाबले में दोनों ही दिग्गजों की अहम भूमिका रहेगी।

अहमदाबाद में कभी नहीं हारी भारतीय टीम

बता दें कि भारतीय टीम का अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रिकॉर्ड बेहद खास है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कोई भी वर्ल्ड कप मैच भारतीय टीम अब तक नहीं हारी है। भारतीय टीम ने तीन वर्ल्ड कप मुकाबले इस मैदान पर खेले है, जिनमें सभी में जीत दर्ज की है। भारत का अहमदाबाद में सबसे पहला मुकाबला 26 अक्टूबर 1987 को जिम्बाब्वे के खिलाफ था, जिसमें भारत ने सात विकेट से जीत हासिल की थी। इके बाद इसी मैदान पर भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से मात दी थी। इस विश्व कप के दौरान भी पाकिस्तान को भारत ने 14 अक्टूबर को सात विकेट से हराया था।

वर्ल्डकप क्लोजिंग सेरेमनी वर्ल्ड कप फाइनल में ये सितारे करेंगे परफॉर्म,बीसीसीआई ने शेयर की लिस्ट

क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 नवंबर यानी रविवार को खेला जाएगा। ये मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने फाइनल मुकाबले को यादगार बनाने के लिए खास इंतजाम किए हैं। इस वर्ल्ड कप में बॉलीवुड सितारे अपनी परफॉर्मेंस का तड़का लगाएंगे। वहीं इस दौरान फाइनल मुकाबले से पहले एंटरटेनमेंट का तड़का लगेगा। जिससे दर्शकों का मनोरंजन दोगुना हो जाएगा। प्रीतम, जोनिता गांधी, अमित मिश्रा कुछ हाई प्रोफाइल हस्तियां हैं जो वर्ल्डकप समापन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। बीसीसीआई ने एक्स पर वर्ल्ड कप फाइनल की क्लोजिंग सेरेमनी में शामिल होने वाले कलाकारों की लिस्ट जारी है। जिनमें प्रीतम से लेकर, तुषार मिश्रा से लेकर आदित्य गढ़वी और अमित मिश्रा जैसे स्टार शामिल हैं। आदित्य गढ़वी गुजरात के रहने वाले एक प्लेबैक सिंगर गीतकार हैं। उन्होंने कई भारतीय भाषाओं में कई हिट गाने दिए हैं। वह गुजराती फिल्मों में भी गाते रहे हैं और उनके कई एल्बम भी रिलीज हो चुके हैं।

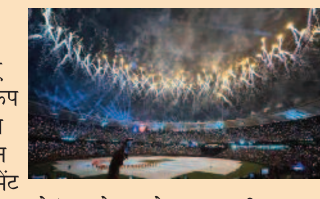

पिच को लेकर परेशान हैं ऑस्ट्रेलियाई टीम? कप्तान पैट कमिंस ने दिया ये जवाब

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 फाइनल से पहले अहमदाबाद में की नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच को लेकर चिंता नहीं जताई है। दरअसल, रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल मुकाबले की भिड़ंत होगी। वहीं वर्ल्ड कप फाइनल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एक शानदार क्लोजिंग सेरेमनी का भी आयोजन किया जाएगा। साथ ही भारतीय वायुसेना द्वारा एयर शो भी किया जाएगा। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने वर्ल्ड कप फाइनल से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, ये निश्चित तौर पर दोनों टीमों के लिए एक ही होगी। इस बात में संदेह नहीं है कि अपने देश और अपने विकेट पर खेलने का कुछ फायदा होता है। लेकिन हम यहां काफी क्रिकेट खेलते हैं। कमिंस ने अहमदाबाद की पिच को लेकर कहा कि, पहले कुछ ओवरों में ये स्विंग करती है और उसके बाद इसमें ज्यादा कुछ नहीं होता। हम शुरुआत में ही ज्यादा मौके बनाना चाहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि, उन्हें नहीं लगता कि अहमदाबाद में टॉस एक बड़ी भूमिका निभाएगा।
कमिंस यही नहीं रुके उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए बताया कि वो अहमदाबाद में लाखों भारतीय दर्शकों के सामने खेलने को लेकर चिंतित नहीं है और उन्होंने कहा कि उनकी टीम अपने पुराने अनुभव के आधार पर खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया कप्तान ने कहा कि उनकी टीम में 2015 वर्ल्ड कप विजेता टीम के कई सदस्य शामिल हैं, जिन्हें इस बात का अनुभव है कि मेगा फाइनल कैसे खेला जाता है।

फाइनल मुकाबला देखने के लिए कई फिल्मी हस्तियां अहमदाबाद पहुंची

क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 नवंबर को खेला जाएगा। दो बड़ी टीमों के बीच क्रिकेट का सबसे बड़ा मैच दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस महामुकाबले को देखने कई बड़ी हस्तियां अहमदाबाद पहुंच रही हैं। इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री का नाम भी शामिल है। वहीं खिलाड़ियों के परिवार भी इस मुकाबले के लिए उन्हें सपोर्ट करने पहुंचेंगे। इस कड़ी में अनुष्का शर्मा, अथिया शेट्टी, सारा तेंदुलकर भी अहमदाबाद पहुंच चुकी हैं।
भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की पत्नी रितिका टीम के साथ ही अहमदाबाद पहुंची थी। रविंद्र जडेजा, आर अश्विन जैसे खिलाड़ियों की पत्नियां पहले ही अहमदाबाद पहुंच चुकी हैं। विराट कोहली की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा बेटी वामिका संग चार्टेड प्लेन से अहमदाबाद पहुंची। वहीं शुबमन गिल की रूमर्ड गर्लफ्रेंड और महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर शनिवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंची। साथ ही केएल राहुल की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अथिया शेट्टी भी अहमदाबाद पहुंची।
फाइनल मुकाबले से पहले वायु सेना द्वारा एयर शो का आयोजन होगा। वहीं राष्ट्रगान के दौरान हवाई सो होता नजर आएगा। वहीं समापन आयोजन का भी इंतजाम होगा जिसमें कई संगीतकार और गायक अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगे।

पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री साथ देखेंगे भारत-ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप फाइनल मैच

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी वर्ल्ड कप क्रिकेट फाइनल का मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले का सभी क्रिकेट प्रेमी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियाई उपप्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स भी फाइनल मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बैठके देखेंगे।
इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारी के लिए, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को गांधीनगर में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, ताकि सब कुछ सुनिश्चित किया जा सके, विशेष रूप में मैच के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।
पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी प्रधानमंत्री मार्ल्स वर्ल्ड कप फाइनल देखने के लिए स्टेडियम आ रहे हैं। ऐसे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति वर्ल्ड कप फाइनल के वैश्विक महत्व को रेखांकित करती है। वर्ल्ड क प फाइनल के दौरान स्टेडियम में रंगारंग कार्यक्रम और संगीत कार्यक्रम भी होगा, जिसमें कई जानी मानी हस्तियां परफॉर्म करेंगी।
मैच की सुरक्षा और सुचारू संचालन की गारंटी के लिए बैठक में व्यापक सुरक्षा उपायों का खुलासा किया गया। स्टेडियम, टीमों वीआईपी की सुरक्षा और यातायात प्रवाह को प्रबंधित करने के लिए 4,500 कर्मियों की पर्याप्त तैनाती ड्यूटी पर होगी। फोकस न केवल आयोजन की भव्यता पर है बल्कि दर्शकों की सुविधा और सुविधा सुनिश्चित करने पर भी है।

वर्ल्डकप 2023 फाइनल में इस्तेमाल होगी भारत बनाम पाकिस्तान मैच वाली पिच!

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मुकाबला 19 नवंबर, रविवार को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया खेला जाएगा। वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होगा। फाइनल मुकाबले में पिच का बहुत महत्व है।

इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, टीम इंडिया फिर से एक बार फाइनल में धीमी पिचों पर खेल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में वर्ल्ड कप का फाइनल उसी पिच पर खेला जाएगा। जिस पर पिछले महीने भारत बनाम पाकिस्तान मैच खेला गया था। फाइनल मुकाबले में पिच धीमी होगी जहां गेंद बल्लेबाज के बल्ले तक पहुंचने में समय लेगी। बता दें कि, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने स्टेडियम में वैकल्पिक प्रशिक्षण सत्र के दौरान पिच का जायजा। आमतौर पर काली मिट्टी की पिच धीमी होती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया मैच के दौरान भी मेहमान टीम 191 रन पर ढेर हो गई थी और टीम इंडिया ने मैच को 7 विकेट से जीत लिया था। रिपोर्ट से ये पता चला है कि भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के फाइनल मुकाबले में भी पिच इसी तरह की हो सकती है जहां स्पिनर बढ़त बनाए रख सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो टीम इंडिया के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा सामने वाली टीम को परेशानी में डाल सकते हैं।

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंची

सिडनी, 18 नवम्बर 2023। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन यहां वेस्ले कूलहोफ और नील स्कूपस्की की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर एटीपी फाइनल्स पुरुष युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गए। बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी ने 84 मिनट तक चले रेड ग्रुप क्वालिफिकेशन निर्णायक मुकाबले में कूलहोफ (नीदरलैंड) और स्कूपस्की (ब्रिटेन) पर 6-4, 7-6 से जीत दर्ज की।
भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी सर्विस पर लगभग 88 प्रतिशत अंक (40 में से 35) बनाये। मौजूदा सत्र में टूर स्तर पर 40वीं जीत दर्ज करने वाले बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी के साथ रेड ग्रूप से गत चैम्पियन राजीव राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी ने नॉकआउट के लिए क्वालीफाई किया। बोपन्ना इस सप्ताह की शुरुआत में 43 साल की उम्र में इस टूर्नामेंट के मुकाबले में जीत दर्ज करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे।

बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी के पास साल के आखिर में एटीपी युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने का मौका है। इसके लिए हालांकि इस जोड़ी को फाइनल में पहुंचना होगा।

इयोन मोर्गन ने विश्व कप फाइनल में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत का फॉर्मूला बताया

अहमदाबाद, 18 नवम्बर 2023। विश्व कप 2023 फाइनल में भारत के उल्लेखनीय प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट जीतने का प्रबल दावेदार बना दिया है। उन्होंने रोहित शर्मा के नेतृत्व में लगातार 10 मैच जीते हैं, जो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनकी सबसे लंबी जीत का सिलसिला है। रविवार, 19 नवंबर को अहमदाबाद के ऐतिहासिक नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टूर्नामेंट के समापन में भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। क्रिकेट के सर्वोच्च सम्मान के इस मुकाबले में दोनों टीमें जीत की भूखी हैं.
विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला भारत से होगा और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन ने कुछ सलाह दी है कि वे कैसे जीत सकते हैं। मॉर्गन ने स्काई स्पोर्ट्स के साथ एक साक्षात्कार में फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की मानसिक तैयारी के महत्व पर जोर दिया। यह देखते हुए कि पैट कमिंस की टीम चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में भारत से 199 रन पर आउट हो गई थी, मॉर्गन ने हाथ में काम की कठिनाई को पहचाना। मॉर्गन ने कहा कि उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया भारत को हरा सकता है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पता है कि यह एक कठिन काम होगा।
इस भारतीय टीम में कमजोरी ढूंढना मुश्किल है। उनके पास सभी आधार हैं। अपने स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के चोटिल होने के बाद भी, भारतीयों ने लय नहीं खोई।

के सुब्रमण्यम ने 86 साल की उम्र में एशियाई मास्टर्स एथलेटिक्स मीट में जीते चार स्वर्ण

चेन्नई, 18 नवम्बर 2023। क. सुब्रमण्यम ने फिलीपींस में एशियाई मास्टर्स एथलेटिक्स मीट में 86 साल की उम्र में चार स्वर्ण पदक जीते। पिछले सप्ताह आयोजित प्रतियोगिता में एथलेटिक्स बिरादरी में सुब्बू के नाम से मशहूर सुब्रमण्यम ने 85 साल से अधिक के वर्ग में लंबी कूद, ट्रिपल जंप, ऊंची कूद और भाला फेंक में शीर्ष स्थान हासिल किया। तमिलनाडु के छोटे से शहर पोल्लाची के सुब्रमण्यम बचपन से ही एथलेटिक्स से जुड़े रहे है। खेल से उनके लगाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने फिलीपींस की यात्रा अपने खर्चे पर की थी।

तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने इस सप्ताह की शुरुआत में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सुब्बू की उपलब्धि तारीफ करते हुए कहा कि राज्य सरकार जल्द ही उनका सम्मान करेगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''फिलीपींस के तारलाक में आयोजित 22वीं एशियाई मास्टर्स एथलेटिक्स मीट में चार स्वर्ण पदक जीतने के लिए चेन्नई के के सुब्रमण्यम (86) को मेरी हार्दिक बधाई।''
उन्होंने कहा, ''अस्सी वर्ष से अधिक के इस खिलाड़ी ने साबित कर दिया है कि खेलों में बड़ी उपलब्धि हासिल करने में उम्र कोई बाधा नहीं है। तमिलनाडु सरकार को इस सीनियर एथलीट की जीत पर गर्व है। भविष्य के टूर्नामेंटों में उनका शानदार प्रदर्शन जारी रहे।

अमेजन प्राइम वीडियो ने किया अपनी नई सीरीज धूथा का ऐलान

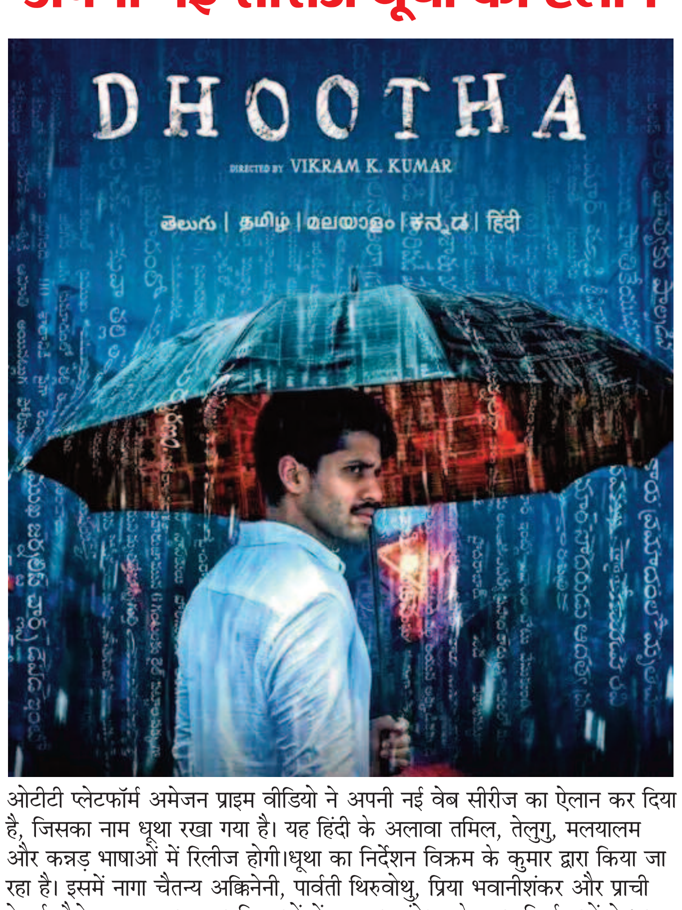

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो ने अपनी नई वेब सीरीज का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम धूथा रखा गया है। यह हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी।धूथा का निर्देशन विक्रम के कुमार द्वारा किया जा रहा है। इसमें नागा चैतन्य अक्किनेनी, पार्वती थिरुवोथु, प्रिया भवानीशंकर और प्राची देसाई जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।इसके साथ निर्माताओं ने धूथा का पहला पोस्टर भी जारी कर दिया है।
अमेजन प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर धूथा का पोस्टर साझा किया है।इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, रहस्य या संदेश? आपको जल्द ही पता चल जाएगापोस्टर के साथ धूथा की रिलीज तारीख भी सामने आ चुकी है। यह वेब सीरीज 1 दिसंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देने के लिए तैयार है।इस सीरीज के जरिए चैतन्य अक्किनेनी ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं।

यामी गौतम ने अनटाइटल फिल्म की शूटिंग की पूरी

बॉलीवुड फिल्मों विक्की डोनर, उरी, ओएमजी 2 और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर एक्ट्रेस यामी गौतम ने अपने करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है।
एक्ट्रेस ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर अपनी अगली अनटाइटल फिल्म के रैप-अप शेड्यूल से एक तस्वीर साझा की। वह मेपल का पत्ता पकड़े हुए मुस्कुराते हुए नजर आ रही है।
उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरे करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक की

शूटिंग पूरी हो गई है। पूरी डायरेक्शन, प्रोडक्शन टीम और बी62 स्टूडियो में हमारे अद्भुत क्रू को धन्यवाद। कश्मीर के स्थानीय लोगों, सुरक्षा बलों और अधिकारियों को धन्यवाद, जिन्होंने पूरे शेड्यूल के दौरान हमारी इतनी अच्छी देखभाल की। उन्होंने आगे कहा, तुलमुल्ला में दिव्य माता खीर भवानी का आशीर्वाद लेने का भी सौभाग्य मिला। आशा है कि हम इस फिल्म के साथ अपने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने में सक्षम होंगे। घोषणा जल्द ही होगी।
एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर मंदिर की यात्रा का एक वीडियो भी साझा किया।
इससे पहले, अक्टूबर में यह खबर आई थी कि एक्ट्रेस अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए 50 दिनों के लिए उत्तर भारतीय शहर में रुकी थीं। इस अनटाइटल प्रोजेक्ट के साथ एक्ट्रेस की धूम धाम भी पाइपलाइन में है।

रवि तेजा की पहली पैन इंडिया फिल्म टाइगर नागेश्वर राव अमेजन प्राइम वीडियो पर हुई रिलीज

पैन इंडिया फिल्म टाइगर नागेश्वर राव पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने तीन हफ्तों तक बॉक्स ऑफिस पर कमाई की और अब एक महीने के अंदर फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज कर दिया गया है।

वामसी के निर्देशन में बनी तेलुगु फिल्म टाइगर नागेश्वर राव 20 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। थलापति विजय की लियो के आगे टाइगर का हाल कुछ ठीक नहीं था, लेकिन फिर भी फिल्म ने 21 दिनों तक करोड़ों में कमाई की।
थिएटर्स में कमाल दिखाने के बाद लोगों को टीएनआर के ओटीटी रिलीज का इंतजार था। अब आखिरकार फिल्म ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे दी है। रवि तेजा और नुपुर सेनन की फिल्म टीएनआर आज ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। अगर आप इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए हैं तो आप इसे प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।
टाइगर नागेश्वर राव की कहानी एक ऐसे चोर की है, जिसने पुलिस की नाक में दम कर दिया है। टाइगर (रवि तेजा) चोरी करने और पुलिस को अनोखे तरीके से चकमा देने के लिए मशहूर है। उसकी प्रेमिका का किरदार नुपुर सेनन ने निभाया है। बात करें स्टार कास्ट की तो रवि तेजा और नुपुर सेनन के अलावा गायत्री भारद्वाज, रेनू देसाई, सुदेव नायर जैसे अभिनेता लीड रोल में हैं।

झनक में हिबा नवाब का दिखेगा अलग अवतार,एक्ट्रेस ने शेयर की शो से जुड़ी दिलचस्प बातें

स्टार प्लस को असाधारण कंटेंट देने के साथ ही अनछुए क्षेत्र में वेंचर करने के लिए जाना जाता है. ऐसे में यह अब झनक नाम के नए शो के साथ आ रहा है, जिसमें वह उम्मीदों और सपनों से भरी एक युवा लड़की की कहानी सुनाएगा. लड़की के जीवन में कई अजीबोगरीब परिस्थितियां आएंगी जिसका सामने करते हुए हम उसे देखेंगे.
बता दें कि हिबा नवाब शो में झनक की मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी, उनके साथ क्रुशाल आहूजा उर्फ अनिरुद्ध मुख्य किरदार में हैं, और चांदनी शर्मा शो में अर्शी का किरदार निभाती नजर आएंगी. झनक एक युवा लड़की की कहानी है जो गरीबी में बड़ी हुई है लेकिन इसका सपना एक डांसर बनने का है। झनक अपने सपनो को पूरा करने के लिए सभी मुश्किलों को पार करने का फैसला करती है, लेकिन उसके परिवार पर आने वाली एक परेशानी से उसका जीवन उलट-पुलट हो जाता है. दर्शकों को झनक के जीवन में होने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव का इंतजार रहेगा. उसकी कहानी दर्शाती है कि कैसे, फ़ीनिक्स

की तरह, वह राख से उभरती है. झनक, अनिरुद्ध और अर्शी की इस दिल को छू लेने वाले सफर को देखना दिलचस्प होगा कि कैसे वे अपने बिगड़ते रिश्तों को संभालते हैं.
हिबा नवाब, जो स्टार प्लस के शो झनक में झनक की भूमिका निभा रही हैं, उन्होंने हमें अपने किरदार के बारे में जानकारी देते हुए कहा है, मैं झनक का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं, और यह मुख्य भूमिका है. मैं खुश होने के साथ ही बहुत रोमांचित हूं.
एक्ट्रेस ने बताया कि झनक कश्मीर से है, एक डांसर बनने की इच्छा रखती है, और अपने परिवार से प्यार करती है. झनक का लक्ष्य बदलाव करना है, उसका भाग्य और वह सब कुछ हासिल करना जो उसका दिल चाहता है. मैं झनक के किरदार से जुड़ी हुई हूं, खास कर के उस बंधन से जो वह अपनी मां के साथ साझा करती है, और मैं ऑफ-स्क्रीन और ऑन-स्क्रीन काफी समान हूं. कई खास बाते हैं जो मुझे झनक के किरदार से सीखने को मिलेगी और मैं इसके लिए उत्सुक हूं. लीना गंगोपाध्याय द्वारा निर्मित झनक 20 नवंबर से सोमवार से रविवार रात 10.30 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगा.

C M Y K

हम सब ने सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर के उत्तरी हिस्से में बहने वाली बांकी नदी तट शंकर घाट में छठ महोत्सव का आयोजन मां महामाया छठ सेवा समिति के माध्यम से दो दशक पूर्व शुरू किया था। चंद लोगों के साथ शुरू किया गया यह महापर्व, अब महोत्सव का रूप ले चुका है। सूर्योपासना के महापर्व (छठ) पर यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु, मां महामाया छठ सेवा समिति की व्यवस्थाओं के बीच सूर्य उपासना करते रहे हैं। हमेशा पुलिस और प्रशासन का भी सहयोग मिलता रहा है। इस बार भी पुलिस, प्रशासन और शहर के सेवाभावी लोगों के सहयोग से मां महामाया छठ सेवा समिति ने शंकर घाट में व्रती श्रद्धालुओं के साथ यहां पहुंचने वाले समाज के सभी वर्ग के लोगों की सुविधाओं का ख्याल रखा है।हम बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने प्रयासरत है।आप सभी के सहयोग के हम आभारी है। पुलिस और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन कर हम सूर्यदेव की आराधना का पर्व उल्लास के साथ मना रहे हैं, इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ....

आपका अपना **विजय सोनी** मां महामाया छठ सेवा समिति शंकरघाट अंबिकापुर

जय छठी मईया की ... जय सूर्यदेव.....

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)